RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | सोमवार , 30 मार्च 2026 | वर्ष: 03, अंक: 377 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पश्चिम एशिया संकट: देश में ईंधन आपूर्ति सामान्य, पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध

सरकार ने नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने और घबराहट में खरीदारी से बचने की अपील की

नई दिल्ली/एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद रहने के बीच केंद्र सरकार ने कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है और आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। सरकार ने नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने और घबराहट में खरीदारी से बचने की अपील की है। अनुसार, देशभर के सभी पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं। कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है और सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं। पेट्रोल और डीजल का भी पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। घरेलू मांग को देखते हुए रिफाइनरियों से एलपीजी उत्पादन बढ़ाया गया है। मंत्रालय ने बताया कि सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की है। साथ ही घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए डीजल पर 21.5 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ पर 29.5 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया गया है। घरेलू पाइप्ड गैस और सीएनजी-ट्रांसपोर्ट के लिए 100 प्रतिशत आपूर्ति जारी है। औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को उनकी औसत खपत का लगभग 80 प्रतिशत गैस मिल रही है, जबकि उर्वरक संयंत्रों को 70 से 75 प्रतिशत आपूर्ति दी जा रही है। आपूर्ति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त एलएनजी और आरएलएनजी की व्यवस्था की जा रही है। मार्च महीने में 2.9 लाख से अधिक नए पीएनजी कनेक्शन दिए गए हैं। एलपीजी आपूर्ति भी सामान्य बनी हुई है। एक दिन में 55 लाख से अधिक घरेलू सिलेंडर वितरित किए गए हैं और किसी भी डीलर के पास गैस खत्म होने की सूचना नहीं है। ऑनलाइन बुकिंग 94 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड आधारित वितरण 53 प्रतिशत से बढ़कर 84 प्रतिशत हो गया है।

ऊर्जा सुरक्षा को लेकर रणनीतिक तैयारियां तेज की गईं

एक दिन में लगभग 64,000 छोटे सिलेंडर बेचे गए: केंद्रीय मंत्रालय

कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाकर अब पूर्व स्तर के लगभग 70 प्रतिशत तक पहुंचाया गया है। 14 मार्च से अब तक 39,368 मीट्रिक टन वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति की गई है, जबकि एक दिन में लगभग 64,000 छोटे सिलेंडर बेचे गए। सरकार ने राज्यों को अतिरिक्त 48,000 किलोलीटर मिट्टी तेल आवंटित किया है और कोयले की अतिरिक्त आपूर्ति भी सुनिश्चित की है, ताकि एलपीजी पर दबाव कम किया जा सके। जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्ती करते हुए देशभर में करीब 2900 छापे मारे गए हैं और लगभग 1000 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। तेल विपणन कंपनियों ने 1200 से अधिक पेट्रोल पंप और गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया है तथा अब तक 480 नोटिस जारी किए हैं। समुद्रीय परिवहन में 18 भारतीय ध्वज वाले जहाज, जिनमें 485 नाविक सवार हैं, पश्चिमी फारस की खाड़ी क्षेत्र में मौजूद हैं।

पीएम ने विकसित हो रहे फ्रेट कॉरिडोर का भी उल्लेख किया

पीएम ने कहा कि क्षेत्र में विकसित हो रहे फ्रेट कॉरिडोर का भी उल्लेख किया और कहा कि इससे उत्तर भारत की समुद्री बंदरगाहों से कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। दादरी जैसे जंक्शन के माध्यम से कृषि और औद्योगिक उत्पाद अब तेजी से देश और दुनिया तक पहुंच सकेंगे। प्रधानमंत्री ने किसानों का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी जमीन के योगदान से यह परियोजना संभव हो पाई है। आधुनिक कनेक्टिविटी के विस्तार से फूड प्रोसेसिंग उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा और कृषि उत्पादों को वैश्विक बाजार में बेहतर कीमत मिलेगी। एथेनॉल उत्पादन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इससे देश की कच्चे तेल पर निर्भरता कम हुई है और किसानों को आर्थिक लाभ हुआ है।

देश के सभी बंदरगाहों पर संचालन सामान्य है: मंत्रालय

दो एलपीजी जहाज लगभग 94,000 मीट्रिक टन गैस लेकर भारत की ओर बढ़ रहे हैं, जिनमें से एक 31 मार्च को मुंबई और दूसरा 1 अप्रैल को न्यू मंगलुरु पहुंचेगा। देश के सभी बंदरगाहों पर संचालन सामान्य है और कहीं भी जाम की स्थिति नहीं है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि खाड़ी और पश्चिम एशिया में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। दूतावास 24 घंटे सक्रिय हैं और हेल्पलाइन के माध्यम से सहायता प्रदान की जा रही है। 28 फरवरी से अब तक करीब 5.24 लाख भारतीय स्वदेश लौट चुके हैं। विभिन्न देशों से भारत के लिए उड़ानें जारी हैं और जिन स्थानों पर हवाई क्षेत्र बंद है, वहां वैकल्पिक मार्गों से यात्रियों को लाया जा रहा है।

क्या पहले भी सुरक्षित पहुंचे हैं गैस टैंकर?

इससे पहले चार भारतीय टैंकर भी सुरक्षित भारत पहुंच चुके हैं। पाइन गैस और जग वसंत करीब 92,612 टन गैस लेकर 26 से 28 मार्च के बीच भारत पहुंचे। वहीं, एमटी शिवालिक और एमटी नंदा देवी भी इससे पहले गुजरात के मुंद्रा और कांडला बंदरगाह पहुंच चुके हैं।

होर्मुज संकट के बीच भारत को बड़ी राहत: दो और एलपीजी टैंकर खाड़ी से रवाना

नई दिल्ली

होर्मुज जलडमरूमध्य में युद्ध जैसे हालात के बीच भारत के लिए राहत की खबर आई है। देश के दो और एलपीजी टैंकर सुरक्षित रास्ता पार कर भारत की ओर बढ़ रहे हैं। ये टैंकर देश की एक दिन की रसोई गैस की जरूरत पूरी करने जितनी गैस लेकर आ रहे हैं। इसी बीच सरकार ने भी साफ कहा है कि देश में गैस और ईंधन की कमी नहीं है और लोगों को घबराकर खरीदारी नहीं करनी चाहिए। सरकारी जानकारी के मुताबिक, बीडब्ल्यू टीवाईआर और बीडब्ल्यू ईएलएम नाम के दो एलपीजी जहाज करीब 94 हजार टन गैस लेकर होर्मुज पार कर चुके हैं। बीडब्ल्यू टीवाईआर 31 मार्च तक मुंबई पहुंचेगा, जबकि बीडब्ल्यू ईएलएम अप्रैल तक न्यू मैंगलोर पहुंचेगा। इस्त्राइल और अमेरिका के हमलों और ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण इस रास्ते पर जहाजों की आवाजाही लगभग रुक गई थी।

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर किसानों को मुआवजा मिलना शुरू, एक अप्रैल तक बारिश का भी अलर्ट

लखनऊ/एजेंसी

उत्तर प्रदेश में मार्च के दूसरे पखवारे से मौसम में आये अचानक बदलाव से सबसे अधिक नुकसान फसलों का हुआ है। असमय बारिश, तेज हवाएं और ओलावृष्टि से खेतों में खड़ी गेहूं और सरसों की फसलों की हालात देख किसान दुःखी हैं। कुछ ऐसा ही हाल आलू उत्पादक किसानों का है। इतना ही नहीं मौसम में अभी एक अप्रैल तक और बदलाव होने का पूर्वानुमान है। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों को राहत देने के लिए विभागीय अधिकारियों को फसलों के नुकसान का आकलन कर मुआवजा वितरण के निर्देश दिए हैं। अब तक 10 हजार किसानों को 4.60 करोड़ रुपये मुआवजा दिया जा चुका है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रदेश में अचानक बदले मौसम में बारिश, अंधड़ और ओला वृष्टि से हुए नुकसान का आकलन कर किसानों को राहत देने का काम शुरू कर दिया है। जिलाधिकारियों को असमय बारिश से किसानों की बर्बाद हुई फसल की जानकारी लेने के निर्देश देते हुए कहा गया है कि राजस्व, कृषि विभाग व बीमा कंपनी संयुक्त सर्वे कराकर फसल नुकसान की स्थिति से शासन को अवगत कराएं।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

Course

B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

संजय शुक्ल
चेयरमैन

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

पूर्व न्यायमूर्ति तरूण अग्रवाल की प्रथम पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

हाईकोर्ट आवास पर हवन-पूजन व श्रद्धांजलि सभा, न्यायाधीशों व अधिवक्ताओं ने किया स्मरण

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व वरिष्ठ न्यायमूर्ति एवं उत्तराखंड उच्च न्यायालय के पूर्व कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश स्वर्गीय तरूण अग्रवाल की प्रथम पुण्यतिथि पर रविवार को उनके न्यायामार्ग स्थित हाईकोर्ट आवास पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यह आयोजन निजी एवं सम्मानपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ, जिसमें परिवारजनों सहित न्यायपालिका से जुड़े कई वरिष्ठ न्यायाधीश, अधिवक्ता व गणमान्य नागरिक शामिल हुए। इस अवसर पर दोपहर से ही शांति हवन-पूजन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। दिवंगत न्यायमूर्ति की धर्मपत्नी स्मिता, पुत्र तन्यमा, पुत्री अदिति व तलिन सहित परिवार के अन्य सदस्यों ने हवन के दौरान उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

श्रद्धांजलि सभा में उच्च न्यायालय के न्यायमूर्तियों, वरिष्ठ अधिवक्ताओं एवं न्याय विभाग के अधिकारियों ने उपस्थित होकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। भजन गायक मनोज गुप्ता ने भक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भावुक व श्रद्धामय बना दिया।

इस दौरान वक्ताओं ने न्यायमूर्ति तरूण अग्रवाल के न्यायिक जीवन और योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपने निर्णयों के माध्यम से संविधान की रक्षा और न्याय की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका व्यक्तित्व सरल, प्रेरणादायी और न्याय के प्रति समर्पित था।

न्यायमूर्ति तरूण अग्रवाल का जीवन भारतीय न्यायिक परंपरा के लिए एक आदर्श रहा। उन्होंने अपने कार्यकाल में न केवल न्याय की गरिमा को बनाए रखा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए उच्च आदर्श भी स्थापित किए। उनके योगदान को सदैव याद किया जाएगा।

बेटी की हत्या में वांछित अभियुक्त पिता घटना मे प्रयुक्त डंडे सहित गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर। 27 मार्च को वादिया श्रीमती आरती द्वारा तहरीर दी गयी कि उसके पति पुष्पेन्द्र उर्फ पप्पू शर्मा द्वारा उसकी पुत्री (उम्र करीब 12 वर्ष) की डंडे से पिटाई कर दी थी जिससे उसकी पुत्री की मृत्यु हो गई।

रविवार 29 मार्च को थाना नरौरा पुलिस टीम द्वारा घटना में संलिप्त अभियुक्त पुष्पेन्द्र उर्फ पप्पू शर्मा को ग्राम चौढेरा रतनपुर तिराहे से गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्त की निशांदेही से घटना प्रयुक्त डंडा बरामद किया गया है।

एक चोर गिरफ्तार , कब्जे से चोरी किये गये एक लाख रुपए नकद बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर। एसएसपी के निर्देश पर जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने हेतु अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत रविवार की रात्रि में थाना खुर्जा नगर पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान कैलाश कट के पास से शातिर नियाज मौहम्मद पुत्र अली शेर निवासी ग्राम अगौरा थाना खुर्जा देहात जिला बुलन्दशहर चोर को चोरी किये गये रुपए सहित गिरफ्तार किया गया है।

चोरी का आरोपी गिरफ्तार, नगदी मोबाइल बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना गाजीपुर पुलिस द्वारा चोरी से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त देवेन्द्र पुत्र रामप्रकाश रैदास निवासी ग्राम शाह थाना गाजीपुर जनपद फतेहपुर उम्र करीब 25 वर्ष को किया गया गिरफ्तार कब्जे से एक की-पैड मोबाईल फोन, एकब्लूटूथ डिवाइस एवं 440 रुपए बरामद ।बरामदगी के आधार पर थाना गाजीपुर पर पंजीकृत उक्त अभियोग में धारा 317 (2) की बढ़ोत्तरी की गई, तथा गिरफ्तार अभियुक्त को रविवार को मा0न्या0 भेजा गया ।

याद दिला दे कि शनिवार को वादिनी श्रीमती ऊषा देवी पत्नी अजयराज रैदास उम्र करीब 30 वर्ष निवासी ग्राम शाह थाना गाजीपुर जनपद फतेहपुर द्वारा दी गयी तहरीरी सूचना कि दिनांक 25.03.2026 को बावत आरोपी द्वारा ताला खोलकर वादिनी उपरोक्त की अलमारी से एक मंगलसूत्र, एक जोड़ी पायल, कीपैड मोबाइल, एक ब्लूटूथ व रुपये चोरी कर लेने के सम्बन्ध में के सम्बन्ध में थाना गाजीपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0- 74/2026 धारा झ 303(2)/305 इठर का अभियोग पंजीकृत किया गया था ।

जनपद के समस्त थानों पर गठित मिशन शक्ति व एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित अभियान ह्यमिशन शक्ति अभियान के फेज-5.0 के द्वितीय चरणह्ल के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा ग्राम चौपाल लगाकर समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण हेतु ग्रामीणों से संवाद कर जागरुक किया गया ।

रविवार को अभियान के अंतर्गत सभी थानों की मिशन शक्ति / एंटीरोमियो टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा cybercrime.gov.in पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया ।

मलवां पुलिस द्वारा दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को थाना मलवां पुलिस द्वारा दुष्कर्म से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त रामसिंह पुत्र स्व० बच्चा निवासी जगन्नाथपुर थाना मलवां जनपद फतेहपुर उम्र करीब 21 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम
प्र0नि0 राजकिशोर थाना मलवां. हे0का0 जितेन्द्र कुशवाहा. हे0का0 इन्दल सिंह, का0 देवेन्द्र यादव।

सोशल मीडिया पर अवैध तमंचे के साथ वायरल फोटो,तमंचा कारतूस के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। सोशल मीडिया पर एक व्यक्ति का अवैध तमंचा के साथ फोटो वायरल हो रहा। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी द्वारा वायरल फोटो की जांच कर आवश्यक विधिक कार्यवाही हेतु थाना संदीपनघाट पुलिस को निर्देशित किया गया था । उपरोक्त क्रम में रविवार को थाना संदीपनघाट पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सटीक सूचना के आधार पर उक्त वायरल फोटो से सम्बन्धित अभियुक्त मो0 आकिब पुत्र महफूज अहमद उर्फ गुड्डू निवासी सोखदा थाना संदीपनघाट जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त की तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 01 अदद तमंचा 315 बोर, 01 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया ।

तमंचा व कारतूस के साथ अभियुक्त को किया गिरफ्तार

कौशांबी । सोशल मीडिया पर एक युवक का अवैध तमंचा के साथ फोटो वायरल हुआ था, एसपी द्वारा वायरल फोटो में दिख रहे व्यक्ति की पहचान एवं जांच कर आवश्यक विधिक कार्यवाही हेतु थाना मंझनपुर पुलिस को निर्देशित किया गया था । उपरोक्त क्रम में रविवार को थाना मंझनपुर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सटीक सूचना के आधार पर उक्त वायरल फोटो से सम्बन्धित अभियुक्त मो0 अतीक उर्फ कल्लू पुत्र मो0 सईद निवासी ग्राम घना का पुरवा थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त की तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 01 अदद तमंचा 315 बोर, जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किया।

नाबालिक का अपहरण कर दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में शनिवार को थाना बिंदकी पुलिस द्वारा पाक्सो एक्ट व 3(2)5 ृ/२३ ृ३ थाना बिंदकी जनपद फतेहपुर से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त राजू पुत्र बलिराम उर्फ धर्मेन्द्र साहनी निवासी ग्राम सोहरौना थाना अहिरौली बाजार जनपद कुशीनगर को किया गया गिरफ्तार तथा नाबालिग अपहता सकुशल बरामद । गिरफ्तार अभियुक्त को रविवार को मा0 न्यायालय भेजा गया।

एसपी के निर्देशन में जनपद में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । रविवार को पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थानों, पुलिस चौकियों एवं पुलिस कार्यालयों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया।

अभियान के अंतर्गत पुलिसकर्मियों द्वारा श्रमदान करते हुए थाना परिसर, कार्यालय भवन, अभिलेख कक्ष, शस्त्रागार, मालखाना, हवालात एवं आवासीय परिसरों की गहन साफ-सफाई की गई। कूड़ा-करकट का समुचित निस्तारण कर परिसरों को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाया गया।

अभियान का उद्देश्य पुलिस विभाग में स्वच्छ, अनुशासित एवं सकारात्मक कार्य वातावरण स्थापित करना तथा "स्वच्छता ही सेवा" के संदेश को आत्मसात करना है। इस अवसर पर सभी पुलिसकर्मियों ने अपने कार्यस्थल एवं आसपास नियमित स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया तथा आमजन को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने हेतु प्रेरित किया।

एसपी द्वारा निर्देशित किया गया कि स्वच्छता एक सतत प्रक्रिया है, अतः सभी थाना एवं कार्यालय परिसरों को सदैव साफ-सुथरा रखा जाए। यह स्वच्छता अभियान प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से संचालित किया जा रहा है।

व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जनपद कौशाम्बी में रविवार को मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत *पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार के कुशल निर्देशन में विभिन्न थानों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण, साइबर जागरूकता एवं सुरक्षा संबंधी कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया गया।

इस दौरान बालिकाओं/महिलाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा, महिला अधिकारों, साक्षरता, नए आपराधिक कानूनों एवं साइबर अपराध से बचाव के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में भी अवगत कराया गया।

अभियान के अंतर्गत निम्नलिखित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी प्रदान की गई– 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन एवं 181 महिला हेल्पलाइन।

रोजगार मेले में नौ कंपनियों ने 400 प्रतिभागियों का किया

डायट प्राचार्य राजेन्द्र प्रताप के निर्देशन में लगा रोजगार मेला

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) प्रयागराज एवं क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय प्रयागराज की ओर से उप शिक्षा निदेशक/ प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज के प्राचार्य राजेन्द्र प्रताप के मार्गदर्शन में आज डायट परिसर में प्लेसमेंट ड्राइव (रोजगार मेले) का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले में विभिन्न क्षेत्रों से 9 कंपनियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें लगभग 400 प्रतिभागियों का चयन हुआ। इस रोजगार मेले की सबसे खास बात यह रही कि पहली बार डायट, प्रयागराज ने निजी क्षेत्र के प्राथमिक से माध्यमिक स्तर तक के प्रतिष्ठित विद्यालयों को रोजगार मेले में आमंत्रित किया और उनके माध्यम से बीएड, डीएलएड, टीईटी, सीटीईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की चयन प्रक्रिया संपादित हुई। केएल कॉन्वेंट बारा एवं महर्षि विद्या मंदिर मेजा जैसे सीबीएसई बोर्ड के विद्यालयों ने मेले में प्रतिभाग किया एवं योग्य शिक्षकों का अपने विद्यालयों में चयन किया। इस मेले में 125 से अधिक शिक्षकों का चयन इन विद्यालयों द्वारा एवं संस्थाओं ने किया। विद्यालयों के प्रधानाचार्यो ने इस प्लेसमेंट ड्राइव की सराहना करते हुए इसे और व्यापक रूप देने का सुझाव दिया गया ताकि भविष्य में सुव्यवस्थित रूप से एक ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार हो जहां शिक्षक और विद्यालय अपनी जरूरतों के हिसाब से चयन कर सकें। यह जानकारी जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट प्रयागराज के प्लेसमेंट ड्राइव के प्रभारी डॉ राजेश कुमार पांडेय ने दी है।

नाबालिग बच्चे से कुकर्म करने वाले अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । शुक्रवार को थाना संदीपनघाट पर वादी द्वारा सूचना दी गयी कि अभियुक्त अकरम द्वारा मेरे 10 वर्षीय पुत्र को बहला फुसला कर पैसे एवं पतंग का लालच देकर अपने साथ ले गया तथा उसके साथ गलत काम किया है । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना संदीपनघाट में तत्काल सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत किया गया । उपरोक्त क्रम में रविवार को थाना संदीपनघाट पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अकरम पुत्र मासूक अहमद निवासी महगांव थाना संदीपनघाट जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया।

होली–ईद मिलन समारोह : आपसी भाईचारे और सद्भाव का संदेश

मौजी लाल रावत
सबसे तेज प्रयागराज
फूलपुर । क्षेत्र के सहसों चौराहा स्थित अमर मेमोरियल पब्लिक स्कूल में रविवार (29 मार्च) को कांग्रेस पार्टी द्वारा सद्भावना होली एवं ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और कार्यकताओं ने शिरकत कर सामाजिक समरसता की मिसाल पेश की।समारोह के मुख्य अतिथि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री शेखर बहुगुणा जी रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ उन्होंने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में श्री बहुगुणा ने कहा कि होली और ईद जैसे त्योहार हमारी साझा संस्कृति के प्रतीक हैं। कांग्रेस पार्टी हमेशा से सभी धर्मों और वर्गों को साथ लेकर चलने की पक्षधर रही है। ऐसे आयोजनों से समाज में प्रेम और भाईचारा बढ़ता है।शेखर बहुगुणा ने कहा कि भारत की असली शक्ति इसकी गंगा-जमुनी तहजीब' है। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे समाज में प्रेम और भाईचारे के संदेश को घर-घर तक पहुँचाएँ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से ही सर्वधर्म समभाव की पक्षधर रही है। उन्होंने कहा कि सद्भावना मिलन समारोह का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को एक सूत्र में पिरोना है। रंगों का त्योहार होली और खुशियों का पर्व ईद हमारे आपसी रिश्तों को और भी मजबूती प्रदान करता है।समारोह में कार्यकताओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाया और गले मिलकर ईद और होली की मुबारकबाद दी। कार्यक्रम की आयोजिका जिला उपाध्यक्ष निशा सिंह ने कहा कि होली के रंग और ईद की मिठास समाज को जोड़ने का काम करती है। कार्यक्रम का संचालन जिलामहासचिव सुनील पाण्डेय ने किया।इस अवसर पर सर्वश्री,विधानसभा प्रभारी देवराज उपाध्याय,डा.जगत नारायण सिंह,राम किशुन सिंह पटेल,शरद उपाध्याय मुन्ना,भोला तिवारी,उर्मिला सिंह,सूफिया बानो,डा.अमर सिंह पटेल,मंजू मौर्या,रचना पाण्डेय,मंगली कुशवाहा,गिरधारी लाल गौतम,ब्लाक अध्यक्षगण रितेश पासी,संगम लाल गुप्ता,लवकुश मिश्रा,आलोक कनौजिया,शिव चन्द्र बिन्द,प्रदीप पाण्डेय,पांचू पासी,मो.शमीम,मो.यूसुफ,डा.फरीद अंसारी,अजीत पासी,सियाराम मौर्या,आनन्द सिंह,कल्लू तिवारी,देवेन्द्र गौतम,विनोद तिवारी,इन्द्रभान सिंह,दीपमाला,पुष्पा चौधरी,श्याम बाबू यादव,राधा रमण यादव,मो.मुसारिफ,सहाना बेगम, पुष्पा चौधरी,चाइना देवी,आदि लोग उपस्थित रहे।

इफको फूलपुर महिला चेतना क्लब द्वारा समाजसेवा कार्यक्रम का आयोजन

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। इफको फूलपुर द्वारा अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए महिला चेतना क्लब ने ह्यएक पहल शिक्षा समितिह्न से जुड़े जरूरतमंद बच्चों के बीच स्कूल बैग एवं पाठ्य सामग्री का वितरण किया। यह कार्यक्रम क्लब्लड कम्युनिटी सेंटर, घियानगर में आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर एवं वंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है।

उल्लेखनीय है कि इन बच्चों का संबंध समाज के अत्यंत निम्न एवं वंचित वर्ग से है, जिनके परिवारों के पास स्थायी आवास भी नहीं है और वे अनधिकृत झुग्गियों में रहकर अपना जीवनयापन कर रहे हैं। ये बच्चे पहले अपने माता-पिता के साथ कूड़ा बीनने जैसे कार्यों में भी संलग्न थे, लेकिन अब शिक्षा के माध्यम से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया जा रहा है।

इस अवसर पर क्लब द्वारा कक्षा 9, 10, 11 एवं 12 के लगभग 50 विद्यार्थियों की छह माह की ट्यूशन फीस भी वहन की गई। इस सहयोग से विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई निरंतर जारी रखने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान क्लब की सदस्याओं ने बच्चों से संवाद कर उन्हें शिक्षा के महत्व के बारे में बताया और नियमित रूप से विद्यालय जाने के लिए प्रेरित किया। बच्चों के चेहरों पर नई सामग्री पाकर खुशी साफ झलक रही थी, जिससे पूरे वातावरण में उत्साह और सकारात्मकता का माहौल बन गया।

इस कार्यक्रम में महिला चेतना क्लब की अध्यक्षा श्रीमती सरिता सिंह, सचिव श्रीमती किरण बड़वर एवं सामाजिक सचिव श्रीमती गीता सिंह के साथ-साथ कोषाध्यक्ष श्रीमती नीरू सक्सेना की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती किरण बड़वर द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती नूपुर पाराशर, श्रीमती रेखा जायसवाल एवं श्रीमती पुष्पा यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के दौरान अध्यक्षा श्रीमती सरिता सिंह ने अपने संबोधन में शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जीवन का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जीवन में कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद डॉ. कलाम ने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से ऊंचाइयों को प्राप्त किया। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि जन्म किस परिवार में हो, यह हमारे हाथ में नहीं होता, लेकिन अपने प्रयासों और मेहनत से हम अपने भविष्य को अपनी पसंद के अनुसार संवार सकते हैं।

अपने संबोधन के अंत में उन्होंने महान कवि हरिवंश राय बच्चन की प्रसिद्ध पंक्तियां "कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती" सुनाकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें जीवन में निरंतर प्रयास करते रहने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में 'एक पहल शिक्षा समिति' के संस्थापक सदस्य विवेक दुबे ने महिला चेतना क्लब का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहयोग से बच्चों को पढ़ाई में काफी सहायता मिलेगी।

पदाधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार की सामाजिक गतिविधियाँ भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगी, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा से जोड़ा जा सके।

महाराष्ट्र सरकार के पूर्व राज्य मंत्री का अस्थि कलश संगम में विसर्जित किया गया

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। महाराष्ट्र से लोकसभा और राज्य सभा दोनों सदन के सदस्य रहे पूर्व राज्य मंत्री महाराष्ट्र सरकार नागपुर निवासी दत्ता जी मेघे के अस्थि कलश को लेकर उनके पुत्र विधायक समीर मेघे और पूर्व विधायक सागर मेंघे अन्य कई लोगों के साथ रविवार को प्रयागराज पहुंचे और फूलपुर विधायक दीपक पटेल के साथ संगम में उनकी अस्थि विसर्जित की। गौरतलब है कि दत्ता जी मेंघे चार बार लोक सभा और एक बार राज्य सभा सांसद रहे तथा महाराष्ट्र सरकार में राज्य मंत्री का भी दायित्व संभाल चुके थे 22 मार्च को 89 साल की उम्र में उनका निधन हो गया विधायक दीपक पटेल के मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी ने बताया कि पहले से जानकारी होने के कारण विधायक दीपक पटेल संगम पर मौजूद थे और विधि विधान से उनकी अस्थि कलश को संगम में विसर्जित कराया गया अवसर पर मुख्य रूप से महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री राजेंद्र मूलक न्यायधीश संजय सिंह विधायक अभिजीत बंजारी किरण पांडव मुकेश सिंह राणा -पार्षद अरुण मिश्र, भूपेन्द्र पांडेय, आदि मौजूद रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं के घर पहुंचकर शोक जताया

सबसे तेज प्रयागराज

मऊआइमा। भारतीय जनता पार्टी की गंगापार जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान ने रविवार को मऊआइमा के छाता निवासी बूथ अध्यक्ष राजकरण पटेल के घर पहुंची और उनकी मां के आकस्मिक निधन पर शोक जताया इसी प्रकार मऊआइमा ग्रामीण मंडल के मंत्री केशव पासी के घर पहुंचकर भाजपा जिलाध्यक्ष ने उनकी पारिवारिक सदस्य सीता पासी के निधन पर भी शोक व्यक्त किया तथा इसी तरह मऊआइमा बूथ अध्यक्ष मूलचंद मौर्या के निधन पर उनके घर पहुंच कर निर्मला पासवान ने उनके परिजनों को ढांढस बंधाया मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी के अनुसार इस अवसर पर मुख्य रूप से महेन्द्र तिवारी,श्याम सुंदर दुबे, जय प्रकाश पटेल शिव बाबू मोदनवाल, महेश माली आदि मौजूद रहे।

हिलाओं को सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में व पुलिस उपायुक्त नगर व अपर पुलिस उपायुक्त नगर के कुशल पर्यवेक्षण में नगर जोन के समस्त थानों की महिला बीट अधिकारियों/एण्टी रोमियों टीम/महिला सुरक्षा हेतु विशेष दल द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अन्तर्गत गांवों, कस्बों व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण/चौपाल कर महिलाओं/बालिकाओं की समस्याओं से अवगत होकर उनकी सुरक्षा आदि के संबंध में वार्ता की गयी तथा उन्हें पम्पलेट वितरित किये गये। विभिन्न लाभप्रद योजनाओं/हेल्पलाइन नम्बर जैसे- (वूमेन पावर लाइन 1090), (महिला हेल्प लाइन 181), (एम्बुलेंस सेवा 108),(मुख्यमन्त्री हेल्पलाइन 1076), (पुलिस आपातकालीन सेवा 112), (चाइल्ड हेल्पलाइन 1098), (स्वास्थ्य सेवा 102), (साइबर हेल्प लाइन नं-1930) आदि नम्बरों के सम्बंध में जानकारी प्रदान की गयी। साथ ही नगर जोन के समस्त थानों की एण्टी रोमियों टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अन्तर्गत बस अड्डा/सार्वजनिक स्थानों/प्रमुख चौराहों/कस्बों/प्रमुख बाजारों/मन्दिर/शिवालयों आदि के आस-पास गश्त करते हुए संघन चेकिंग की जा रही है। इस अवसर पर बिना कारण घूमने वाले शोहदों की चेकिंग की गयी तथा उन्हें सख्त हिदायत दी गयी।

बेरूई विद्यालय में वार्षिकोत्सव व सम्मान समारोह हुआ संपन्न

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया । क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय बेरूई में शनिवार को वार्षिकोत्सव, शिक्षक चौपाल एवं सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी हंडिया धर्मेंद्र कुमार मौर्य रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी बहरिया शिव अवतार तथा डायट मेंटर राजेश पांडेय मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान नागेंद्र यादव ने की और संचालन अवशेषानंद ने किया।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत गीत से हुआ। प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष दीप नारायण सिंह ने अतिथियों का अभिनंदन किया। संयोजिका दुर्गावती मिश्रा ने विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समर्पित प्रयास से सरकारी विद्यालयों के छात्र भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। इस दौरान छात्र सूर्य प्रकाश और उसके अभिभावक को रचनात्मक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों ने बाल विवाह और दहेज प्रथा जैसे सामाजिक मुद्दों पर एकांकी प्रस्तुत कर सराहना बटोरी। गुजराती और हरियाणवी नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया। पुलवामा कांड पर आधारित गीत और सोना देवी द्वारा प्रस्तुत शिक्षा गीत को भी खूब सराहा गया।अंत में विद्यालय के हेड़ इंचार्ज वंदना श्रीवास्तव, दुर्गावती मिश्रा, रेनू पांडेय व दीप नारायण सिंह ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक शिक्षक व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

स्कूल चलों अभियान एक को, शामिल होंगे सभी जन प्रतिनिधि

बेहतर शिक्षण, शैक्षणिक माहौल पर जोर : बीएसए अनिल कुमार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। बेसिक शिक्षा प्रयागराज की ओर से स्कूल चलों अभियान एक अप्रैल बुधवार को सुबह 10 बजे से जिला पंचायत सभागार के सामने से शुरू होगा, जो कलेक्ट्रेट से कटरा, जगराम चौराहा होते हुए जिला पंचायत सभागार में संपन्न होगा। स्कूल चलों अभियान की संगोष्ठी में प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या, प्रभारी मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता, भदोही सांसद डा रमेश कुमार बिंद, जिला पंचायत अध्यक्ष डा वीके सिंह, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, महामंत्री डा शैलेश कुमार पाण्डेय, महापौर गणेश केसरवानी, विधायक ई हर्षवर्धन बाजपेई, विधायक दीपक पटेल, विधायक वाचस्पति, विधायक गुरू प्रसाद मौर्य, एमएलसी डा केपी श्रीवास्तव,

एमएलसी सुरेन्द्र चौधरी, पूर्व मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह, विधायक पीयूष रंजन निषाद, विधायक राजमणि कोल, डीएम मनीष कुमार, सीडीओ हर्षिका सिंह, एडी बेसिक संजय कुमार कुशवाहा सहित अन्य अधिकारी शामिल होंगें। बीएसए अनिल कुमार ने बताया कि परिषदीय विद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक माहौल और बेहतर शिक्षण पर जोर दिया जा रहा है जिससे कि पढकर निकलने वाले बच्चे भविष्य में आगे बढकर देश के विकास में योगदान दें। उन्होंने कहा कि जनपद में संचालित सभी परिषदीय विद्यालयों में छह से 14 वर्ष के बच्चों का निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के अधिकार के तहत प्रवेश प्रारंभ है, अभिभावक अपने बच्चे का प्रवेश अपने नजदीकी परिषदीय विद्यालय में करवाएं,पढाई का पूरा खर्च उत्तर प्रदेश सरकार उठाएगी।

बीएसए अनिल कुमार ने बताया कि परिषदीय विद्यालयों में बच्चों का प्रवेश होने पर पक्का एवं सुरक्षित विद्यालय, निःशुल्क किताबें, एवं वर्कबुक, दो सेट यूनिफार्म, जूते, मोजे, स्वेटर , बैग एवं स्टेशनरी, प्रतिदिन पौष्टिक मध्यान्ह भोजन, शुद्ध पेयजल एवं स्वच्छ शौचालय, बिजली एवं पंखो की सुविधा, स्मार्ट क्लास एवं डिजिटल शिक्षा, प्रशिक्षित एवं अनुभवी शिक्षक, पुस्तकालय एवं खेल सामग्री, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियां, स्वास्थ्य जांच एवं दवाइयां, डीबीटी के माध्यम से धनराशि स्टेशनरी आदि के लिए 1200 रुपए, दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष सुविधाएं और नियमित मूल्यांकन एवं बेहतर शिक्षा वातावरण है।

चक्रवर्ती सम्राट अशोक मौर्य की जयंती 9 अप्रैल को

पदाधिकारियों की बैठक शनिवार को कार्यक्रम स्थल पर संपन्न हुई

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया-विकास खण्ड बहरिया क्षेत्र के महुली गांव में विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी चक्रवती सम्राट अशोक मौर्य जयंती समारोह को लेकर तैयारियां जोरों- शोरों पर चल रही है ! महान सम्राट अशोक मौर्य क्लब द्वारा पदाधिकारियों की दूसरी बैठक शनिवार को देर सायं आयोजित हुई। बैठक में 9 अप्रैल को चक्रवर्ती सम्राट अशोक मौर्य के जयंती समारोह की तैयारियों के बारे में विस्तार रुप से चर्चा की गयी।

ज्ञान दर्पण प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया सम्मानित

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज, प्रयागराज। रामदुलारी बच्चू लाल जायसवाल पी.जी. कॉलेज, नवाबगंज अटरामपुर प्रयागराज में स्मृतिशेष श्रद्धेय राकेश जायसवाल समाजोत्थान सेवा समिति के तत्वाधान में आयोजित ज्ञान दर्पण प्रतियोगिता 2026 के विजेताओं का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधक लक्ष्मी नारायण जायसवाल जी के द्वारा दीप प्रज्वलित कर के किया गया। प्रतियोगिता में कुल 115 प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। प्रथम स्थान काजल प्रजापति को एलईडी टीवी, द्वितीय स्थान मोहनी दूबे को कूलर तथा तृतीय स्थान निखिल मौर्य को कुर्सी मेज देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य 112 प्रतिभागियों को भी विभिन्न उपहार व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर आर. डी. कन्वेंट इंटर कॉलेज की प्रबंधिका पारुल जायसवाल, प्रधानाचार्य अमर सिंह, उप प्रधानाचार्य आनंद पांडे, प्रवक्ता गणेश गुप्ता, स्वयं प्रकाश, किरण, रोशनी, मुस्कान, राजेश आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में डिग्री कॉलेज के परीक्षा प्रतियोगिता सचिव सोहन विश्वकर्मा, सुनील मौर्य, विवेक श्रीवास्तव, राहुल, विशाल पाठक, अभिषेक मिश्रा, बैज नाथ सिंह ,सपना साहू व कुलदीप मिश्रा का विशेष योगदान रहा। इस कार्यक्रम का संचालन सोनू केसरवानी जी के द्वारा किया गया।

महिलाओं/बालिकाओं को पम्पलेट वितरित किये गये व विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों के बारे में दी जानकारी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । महिला सुरक्षा सम्मान और स्वावलम्बन को नई ऊँचाई देने के उद्देश्य से माननीय मुख्यमंत्री जी, उ0प्र0 सरकार द्वारा समर्पित अभियान "मिशन शक्ति विशेष अभियान फेज-5.0 द्वितीय चरण" के दृष्टिगत पूरे प्रदेश में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है ।

इसी क्रम में रविवार को पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में व पुलिस उपायुक्त नगर व अपर पुलिस उपायुक्त नगर के कुशल पर्यवेक्षण में नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान "मिशन शक्ति विशेष अभियान फेज-5.0

द्वितीय चरण" के तहत नगर जोन के थाना दारागंज में गठित एंटीरोमियों स्क्वाड व महिला बीट अधिकारियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत सार्वजनिक स्थानों/भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर जाकर महिला सशक्तिकरण के सम्बन्ध में बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण के संबंध में जागरूक करते हुए गुड-टच, बैड-टच तथा विभिन्न हेल्पलाइन-वूमेन पॉवर लाइन-1090, आपातकालीन सेवा- यूपी-112, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, स्वास्थ्य सेवा-102, एम्बुलेंस-108, साइबर क्राइम-1930 आदि के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही मिशन शक्ति केन्द्र, एण्टी-रोमियो स्क्वाड व आत्मरक्षा सम्बंधी टिप्स आदि के बारे में विस्तृत रुप से जानकारी देकर जागरुक किया गया ।

पत्रकार समाज को आईना दिखाने का कार्य करते है पुनर्वसु तिवारी

सबसे तेज प्रयागराज

फाफामऊ। पत्रकार समाज के सजग प्रहरी होते है वह समाज को आईना दिखाने का कार्य करते है। यह बाते शनिवार को आयोजित इलाहाबाद पत्रकार एसोसिएशन द्वारा फाफामऊ में देर रात आयोजित होली मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में द्रुत कार्य बल 101 के वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी पुर्नवसु बसु तिवारी ने कहा। उन्होंने पत्रकारिता को एक जोखिम भरा कार्य बताते हुए कहा कि पत्रकार बिना किसी के परवाह के वह अपनी कलम चलाता है। कार्यक्रम में करीब तीन दर्जन से अधिक पत्रकारों को

उनकी लेखनी के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे 101 बटालियन आरएएफ के उप कमांडेंट यज्ञ कुमार सिंह और उत्तर प्रदेश कॉपरेटिव बैंक के डायरेक्टर उपेंद्र सिंह ने भी होली मिलन समारोह में सभी को होली की बधाई देते हुए संबोधित किया। कार्यक्रम में पत्रकारों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर एक दूसरे को होली की बधाई दी। कार्यक्रम में सावन ग्रुप के कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से संगठन के संरक्षक सुभाष चंद्र मिश्रा, जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल, गोपी केसरवानी, भोला सिंह, सुशील महाराज, गौरव अग्रवाल, विनोद कुमार द्विवेदी, अमर बहादुर चौरसिया, विजय पटेल, अनिल सोनी, रामकुमार प्रजापति, महेंद्र शुक्ला, रतन सिंह चौहान, हरिप्रकाश गुप्ता, वीरेंद्र कुमार गुप्ता, मौजी लाल रावत, विजय चंद्र विश्वकर्मा, धनंजय पांडेय, मनीष पटेल आदि सैकड़ों पत्रकार उपस्थित रहे।

एक-एक पल का सदुपयोग करने से खुलेंगे प्रशस्ति के मार्ग : अशोक राठौर

एकाग्रता, निरन्तरता एवं अनुशासन से मिलती है सफलता : हसन खान

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज / उरई। एसआर इंटर कालेज एवं एसआर बालिका इंटर कालेज उरई की वार्षिक गृह परीक्षाओं का पुरस्कार वितरण समारोह आज विद्यालय प्रांगण में सम्पन्न हुआ। विद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य रमाकान्त द्विवेदी ने बताया कि प्राइमरी वर्ग के 403, जूनियर वर्ग के 543, कक्षा नवम के 331 तथा एकादश के 371 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए जिसमें से 97.3 प्रतिशत विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की है। विद्यालय के प्रबंधक अशोक राठौर ने बच्चों से अपने एक - एक पल का सदुपयोग करने का सुझाव दिया। उन्होंने छात्र / छात्राओं एवं उपस्थित उनके अभिभावकों से

प्रबंधक अशोक राठौर ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में हो रहे मूलभूत परिवर्तन के क्रम में बच्चों को स्कूली शिक्षा एवं स्वाध्याय के लिए बच्चों को अब पूरी तरह से तैयार रहना होगा, तभी वह सफलता प्राप्त कर करेंगे।

सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों में प्राइमरी वर्ग से शिशु के मो आबिस, आठवीं के रोहित, नौवीं की शिवान्या गौतम एवं 11 की रितिका सिंह ने अपने-अपने वर्ग में टॉप किया। अंग्रेजी माध्यम में अतिशा ने प्राइमरी वर्ग में टॉप किया। शिशु से 11 वीं तक रिया, मो. यूसुफ, सौरभ सविता, प्राची, रवि दौहरे, शबनूर मंसूरी, आयुष वर्मा, मयंक राय, समर सिंह कुशवाहा, मुहम्मद हसन, इसरा बानो, गुनगुन, रियांस दोहरे, गगनदीप गौतम, दिव्यांशु सोनी, दीप कुशवाहा, मु हमजा खान, सचिन कुमार, कृष्णा कुमार, रोबिन कुमार, आलोक कुमार, हर्ष राज, सिमन सिंह, नैना पाल, यशी प्रजापति, प्रज्ञा गौतम, शिखा गौतम,

प्यासी, पूर्वी, आदर्श श्रीवास्तव, लक्ष्मण सिंह, शोभित, सुभाष कुमार, लवी पटेल, शिवांश गौतम, प्रीति, निखिल कुमार, अभय, अंकुश कुमार, देव पटेल, अंकिता, वर्षा, अनुजिया, शाक्यवार, रितिमा सिंह एवं इंग्लिश मीडियम से कार्तिक पटेल, भाविका शर्मा, युवान पटेल, अविद्या, देवराज, प्रिया तिवारी, आदित्य पटेल, जानकी ने अपनी कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त छात्र - छात्राओं को पुरस्कार देते हुए विद्यालय के प्रबंधक अशोक कुमार राठौर ने कहा कि आज बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु जरूरी है कि उनकी जिस किसी एक्टिविटी में रुचि हो उसमें अपनी सम्पूर्ण मेहनत लगाने की आवश्यकता है क्योंकि अब बहुआयामी प्रतिभा से बच्चों का भविष्य उज्ज्वल है।

यूपीएससी परीक्षा - 2026 में आल इण्डिया में 95 वीं रैंक प्राप्त विद्यालय के पुरातन छात्र हस्सान खान ने बच्चों एवं उनके अभिभावकों को शिक्षा क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया कि हमें आज एस आर इण्टर कॉलेज की मूल शिक्षा के कारण ही सफलता मिली है। सफलता का कोई शार्टकट नहीं होता, विद्यालय के मेहनती शिक्षकों के साथ अनुशासन पूर्वक अध्ययन ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करेगा।

कार्यक्रम में हजारों की संख्या में विद्यार्थी एवं अभिभावक गण उपस्थित रहे जिन्होंने कार्यक्रम के साथ ही प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को भी सुना। बालिका इंटर कालेज की प्रधानाचार्य श्रीमती मंजू गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा संचालन शिक्षक संतोष गोस्वामी ने किया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाओं ने कार्यक्रम की व्यवस्था को संभालते हुए पुरस्कार वितरण में सहयोग के साथ अंकपत्र वितरित किये।

संपादकीय

वैश्विक संकट के बीच मानवता की अंतिम सुरक्षा-रेखा है ऊर्जा संरक्षण

आज जब विश्व एक बार फिर भू-राजनीतिक तनावों के दौर से गुजर रहा है और ईरान, अमेरिका तथा इजरायल के बीच टकराव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है, तब ऊर्जा केवल विकास का साधन नहीं बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है। तेल और गैस के दामों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और ऊर्जा स्त्रोतों पर बढ़ती निर्भरता ने पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि क्या आधुनिक सभ्यता ने अपनी बुनियाद अत्यधिक अस्थिर संसाधनों पर खड़ी कर दी है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं बल्कि मानवता की सुरक्षा का सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी उपाय बनकर उभर रहा है। ऊर्जा आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग है, चाहे वह उद्योगों की मशीनें हों, परिवहन के साधन हों, डिजिटल अर्थव्यवस्था हो या घरेलू जीवन की सुविधाएं किंतु विडंबना यह है कि जिस ऊर्जा पर हमारी प्रगति आधारित है, वही अब संकट का कारण बनती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की एनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट 2024 के अनुसार आने वाले दशक में वैश्विक ऊर्जा मांग में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है जबकि जीवाश्म ईंधनों के भंडार तेजी से सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में यदि ऊर्जा संरक्षण और दक्षता को प्राथमिकता नहीं दी गई तो भविष्य में ऊर्जा संकट केवल आर्थिक चुनौती नहीं रहेगा बल्कि सामाजिक अस्थिरता और वैश्विक संघर्षों का कारण भी बन सकता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य इस खतरे को और स्पष्ट करता है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो रही हैं। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। दरअसल भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में वैश्विक संकट का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। पैट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि केवल परिवहन लागत को नहीं बढ़ाती बल्कि खाद्य पदार्थों से लेकर निर्माण सामग्री तक हर क्षेत्र में महंगाई को जन्म देती है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण आधार बन जाता है। भारत तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है और यहां ऊर्जा की मांग निरंतर बढ़ रही है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की इंडिया एनर्जी आउटलुक 2024 रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी ऊर्जा उपभोक्ता अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऐसे में यदि ऊर्जा खपत को संतुलित नहीं किया गया तो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाएगा। यही कारण है कि भारत ने ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को अपनी नीति का केंद्रीय तत्व बनाया है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा लागू ऊर्जा संरक्षण अधिनियम और उजाला जैसे कार्यक्रमों ने यह साबित किया है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिणाम दे सकते हैं। 36 करोड़ से अधिक एलईडी बल्बों का वितरण और उससे हुई 48 बिलियन यूनिट बिजली की बचत इस बात का प्रमाण है कि यदि नीति और जनभागीदारी साथ आएं तो ऊर्जा संरक्षण एक जनांदोलन बन सकता है। ऊर्जा संरक्षण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह किसी नई तकनीक या बड़े निवेश पर निर्भर नहीं है बल्कि यह हमारे दैनिक व्यवहार में छोटे-छोटे बदलावों से ही संभव है। उदाहरण के लिए, अनावश्यक रूप से जलती लाइटों को बंद करना, ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करना, एयर कंडीशनर का सीमित प्रयोग, सार्वजनिक परिवहन को अपनाना और सौर ऊर्जा जैसे विकल्पों को बढ़ावा देना, ये सभी कदम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि पर्यावरण को भी सुरक्षित रखते हैं। यदि भारत का प्रत्येक परिवार प्रतिदिन केवल एक यूनिट बिजली की बचत करे तो यह देश के लिए ऊर्जा क्रांति के समान होगा। ऊर्जा संरक्षण का संबंध केवल बिजली तक सीमित नहीं है बल्कि यह जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य से भी गहराई से जुड़ा हुआ है।

रिजर्व बैंक के लिए एक तरफ कुआं दूसरी तरफ खाई

सनत जैन

भारतीय रिजर्व बैंक इन दिनों गहरे संकट में फंस गया है। रिजर्व बैंक यदि रुपए को बचाने की कोशिश करता है तो ऐसी स्थिति में वह खाई में गिरने की स्थिति में आता है, विदेशी मुद्रा के भंडार को यदि वह रुपए के बचाने में उपयोग करता है तो गहरे कुएं में गिरना तय है। रिजर्व बैंक को समझ नहीं आ रहा है कि वह किस तरह से स्थिति को संभाले। इजरायल-अमेरिका और ईरान के युद्ध ने भारतीय रिजर्व बैंक को बड़ी मुसीबत में डाल दिया है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत 94 रुपए के स्तर पर पहुंच गई है। कारोबारी उद्योग जगत तथा कच्चे तेल, गैस इत्यादि के आयात के लिए विदेशी मुद्रा की सबसे बड़ी आवश्यक्ता देश को है। रुपए को गिरने से रोकने के लिए पहले भी रिजर्व बैंक ने बहुत सारी विदेशी मुद्रा खर्च कर दी है। वर्तमान अर्थव्यवस्था के लिए विदेशी मुद्रा भंडार भरा होना जरूरी है, लेकिन रिजर्व बैंक में इसकी स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। डॉलर की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। कच्चे तेल और गैस आयात को लेकर भी अतिरिक्त डॉलर की मांग बनी है। पहले रूस से जो कच्चा तेल और गैस आती थी उसका भुगतान डॉलर में नहीं होता था, लेकिन अब डॉलर के ऊपर सभी ओर से दबाव बढ़ता चला जा रहा है। जिसके कारण रिजर्व बैंक के विदेशी मुद्रा भंडार के लिए चुनौतियां बढ़ती चली जा रही हैं। सरकार का दबाव डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत को गिरने से रोकना है। पिछले कई महीने से रिजर्व बैंक डॉलर और विदेशी मुद्रा भंडार के जरिए रुपए की गिरावट को रोक रहा था, लेकिन अब विदेशी मुद्रा भंडार इस स्थिति में आकर खड़ा हो गया है कि अब रिजर्व बैंक ने पर्याप्त मात्रा में विदेशी भंडार और डॉलर को नहीं रखा तो स्थिति और भी खराब हो जाएगी।

मध्य पूर्व तनाव का असर, लेकिन भारत तैयार: संसाधनों का संयमित उपयोग अनिवार्य

सुनील कुमार महला

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण विश्व के कई हिस्सों में पिछले कुछ समय से तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे ऊर्जा संकट की स्थिति बनती दिखाई दे रही है। ऐसे समय में यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं, असीमित नहीं। इसलिए उनका उपयोग सोच-समझकर और जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें अनावश्यक रूप से बर्बाद करने का अधिकार किसी को नहीं है।

इसी संदर्भ में भारत सरकार ने 26 मार्च 2026 (गुरुवार) को यह स्पष्ट किया है कि देश में पेट्रोल और एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक और दुष्प्रचारपूर्ण खबरों पर ध्यान न दें, क्योंकि इनका उद्देश्य केवल भय और घबराहट पैदा करना है।पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, भारत के पास कुल 74 दिनों की भंडारण क्षमता है, जिसमें वर्तमान में लगभग 60 दिनों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। इस भंडार में कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद तथा भूमिगत रणनीतिक भंडारण शामिल हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि मध्य-पूर्व संकट के 27वें दिन तक देश में कहीं भी पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। सरकार के अनुसार, हर नागरिक के लिए लगभग दो महीने तक निरंतर ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित है, चाहे वैश्विक परिस्थितियां कैसी भी हों। इसके अतिरिक्त, सरकार ने अगले दो महीनों के लिए कच्चे तेल की खरीद पहले से ही सुनिश्चित कर ली है। इतना ही नहीं, मीडिया के हवाले से यह भी खबरें आईं हैं कि सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटा दी है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार पेट्रोल-डीजल पर ?10 की कटौती की गई है, इससे फिलहाल पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे। यह अच्छी बात है कि केंद्र सरकार ने तेल कंपनियों और आम जनता को राहत देते हुए पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी को 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए कर दिया गया है तथा डीजल पर यह ड्यूटी पूरी तरह खत्म यानी जीरो कर दी गई है। बहरहाल, जहां कुछ देशों में ईंधन की कीमतों में वृद्धि, राशनिंग और पेट्रोल पंपों के बंद होने जैसी स्थिति देखने को मिल रही है, वहीं भारत में ऐसी कोई स्थिति नहीं है और किसी आपातकालीन कदम की आवश्यकता भी नहीं पड़ी है।बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि संकट की इस घड़ी में समाज की वास्तविक परीक्षा एकजुटता और जिम्मेदारी में निहित होती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कोई बड़ा संकट आता है-चाहे वह महामारी हो, प्राकृतिक आपदा या आर्थिक मंदी-तब केवल आम जनता ही नहीं, बल्कि प्रशासन और व्यापारिक वर्ग की जिम्मेदारी भी कई गुना बढ़ जाती है। दुर्भाग्यवश, ऐसे समय में कालाबाजारी और मुनाफाखोरी जैसी प्रवृत्तियां भी उभरती हैं, जो कृत्रिम कमी पैदा कर आम लोगों की कठिनाइयों को और बढ़ा देती हैं। वास्तव में,कालाबाजारी और मुनाफाखोरी समाज की आर्थिक व्यवस्था को भीतर से खोखला कर देती हैं।यह न केवल आम जनता की जेब पर बोझ डालती है, बल्कि विश्वास की नींव को भी कमजोर करती है। आवश्यक वस्तुओं की कृत्रिम कमी पैदा कर कीमतें बढ़ाना नैतिक और कानूनी दोनों रूप से गलत है।सच तो यह है कि ऐसे समय में गरीब और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। ऐसे में सरकार को सख्त कानून और प्रभावी निगरानी व्यवस्था लागू करनी चाहिए।साथ ही, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई से ही इसका सही समाधान संभव है। जनता को भी जागरूक रहकर ऐसे कृत्यों का विरोध करना चाहिए।ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ व्यापार करना ही स्वस्थ समाज की पहचान है।वास्तव में, हमें यह समझना होगा कि वास्तविक शक्ति संसाधनों को जमा करने में नहीं, बल्कि उन्हें जरूरतमंदों तक सही तरीके से पहुंचाने में है। कालाबाजारी भले ही अल्पकालिक लाभ दे, लेकिन यह समाज के विश्वास और नैतिक आधार को कमजोर करती है। इसके विपरीत, यदि व्यापारी, उद्योगपति, प्रशासन और आम नागरिक मिलकर ईमानदारी, पारदर्शिता और सहयोग का मार्ग अपनाएं, तो किसी भी संकट के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। अंततः, यही समय है जब हमें यह सिद्ध करना होगा कि हमारी सभ्यता स्वार्थ पर नहीं, बल्कि एकता, संवेदना और सहभागिता जैसे मूल्यों पर आधारित है। यही भावना न केवल संकट से उबरने में सहायक होती है, बल्कि एक मजबूत और सुदृढ़ राष्ट्र की नींव भी रखती है।

उर्वरक पर नियंत्रण, किसान पर भरोसा: क्या संतुलन बन पाएगा?

खेत की मिट्टी अब केवल अन्न नहीं उगाती, वह उम्मीदों और व्यवस्थाओं की परीक्षा भी लेती है। इसी मिट्टी पर खड़े भारत के करोड़ों किसानों के सामने आज एक नया प्रयोग रखा गया है—किसान आईडी और उर्वरक आपूर्ति का डिजिटल तंत्र। यह पहल किसी साधारण योजना की तरह नहीं, बल्कि उस जटिल समस्या का समाधान बनने का दावा करती है, जिसने वर्षों से खेती को भीतर ही भीतर खोखला किया है—सब्सिडी का रिसाव, खाद की कालाबाजारी और असली किसान तक संसाधनों की अधूरी पहुंच। सवाल यह नहीं कि योजना कितनी भव्य है, बल्कि यह है कि क्या यह वास्तव में खेत की मेड़ तक न्याय पहुँचा पाएगी, या फिर फाइलों की चमक में ही सिमट जाएगी। सरकार का दृष्टिकोण स्पष्ट और महत्वाकांक्षी है—हर किसान को एक विशिष्ट डिजिटल पहचान देकर उसे सीधे लाभ से जोड़ना। यह किसान आईडी भूमि रिकॉर्ड, आधार और पारिवारिक विवरण से जुड़कर एक समग्र डेटाबेस तैयार करती है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि उर्वरक जैसी महत्वपूर्ण वस्तुएं सही व्यक्ति तक ही पहुंचे। हर साल उर्वरक सब्सिडी पर होने वाला भारी खर्च, जो कई बार गलत हाथों में चला जाता था, अब एक नियंत्रित और पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से उपयोग में लाया जाएगा। यह व्यवस्था केवल वितरण को नहीं सुधारती, बल्कि एक ऐसी निगरानी प्रणाली भी बनाती है, जिसमें हर लेन-देन का हिसाब दर्ज रहेगा। व्यवहारिक स्तर पर देखें तो यह प्रणाली तकनीक और कृषि का अनोखा संगम प्रस्तुत करती है। पॉइंट ऑफ सेल मशीनों के जरिए आधार प्रमाणीकरण के बाद ही खाद की खरीद संभव होगी, जिससे फर्जी खरीद पर रोक लगेगी। प्रति हेक्टेयर उर्वरक की तय सीमा न केवल संसाधनों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देगी, बल्कि मिट्टी की सेहत को भी सुरक्षित रखेगी। साथ ही, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के विस्तार से किसान को यह स्वतंत्रता मिलेगी कि वह अपनी आवश्यकता के अनुसार उर्वरक का चयन करे। यह बदलाव केवल प्रक्रिया में नहीं, बल्कि सोच में भी परिवर्तन का संकेत देता है। इस पहल के संभावित लाभ निस्संदेह प्रभावशाली हैं। छोटे और सीमांत किसान, जो अक्सर बिचौलियों के शोषण का शिकार होते रहे हैं, अब सीधे लाभ के दायरे में आएंगे। उर्वरकों की कालाबाजारी पर अंकुश लगेगा, जिससे बाजार में स्थिरता आएगी। एक ही आईडी के माध्यम से विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने से प्रशासनिक जटिलता कम होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसान को अपने डेटा पर अधिकार मिलेगा—वह अपनी भूमि, फसल और लाभ की पूरी जानकारी एक ही मंच पर देख सकेगा। यह डिजिटल सशक्तिकरण का वह रूप है, जो किसान को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि निर्णयकर्ता बनाता है।

किन्तु हर उजाले के साथ कुछ छायाएं भी होती हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना जोखिम भरा हो सकता है। ग्रामीण भारत में डिजिटल साक्षरता अभी भी एक बड़ी चुनौती है। कई किसान स्मार्टफोन, इंटरनेट या तकनीकी प्रक्रियाओं से परिचित नहीं हैं, जिससे वे इस प्रणाली में सहजता से शामिल नहीं हो पाएंगे। इसके अलावा, बटाईदार और किराएदार किसान, जिनके पास जमीन का औपचारिक रिकॉर्ड नहीं होता, इस व्यवस्था से बाहर रह सकते हैं। यदि तकनीकी त्रुटियां, सर्वर समस्याएं या डेटा में गड़बड़ी सामने आती हैं, तो इसका सीधा असर खेती की प्रक्रिया पर पड़ सकता है। किसान के दृष्टिकोण से यह पहल एक अवसर भी है और आशंका भी। जहां एक ओर उसे सही मात्रा में उर्वरक मिलने की उम्मीद है, वहीं दूसरी ओर सख्त नियमों के कारण लचीलापन कम होने का डर भी है। बड़े किसानों के लिए यह व्यवस्था कुछ हद तक प्रतिबंधात्मक हो सकती है, लेकिन छोटे किसानों के लिए यह एक सुरक्षा कवच बन सकती है। संतुलित उर्वरक उपयोग से उत्पादन में वृद्धि और मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार संभव है, जिससे दीर्घकालिक लाभ मिल सकते हैं। परंतु यदि आईडी बनाने या उसे सक्रिय करने में देरी हुई, तो किसान के सामने तत्काल संकट खड़ा हो सकता है। वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए इस पहल का महत्व और भी बढ़ जाता है। उर्वरक उत्पादन और आपूर्ति पर अंतरराष्ट्रीय घटनाओं का सीधा प्रभाव पड़ता है, जिससे भारत जैसे देश को आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे में यदि देश के भीतर वितरण प्रणाली मजबूत और पारदर्शी हो जाए, तो संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव है। किसान आईडी इस दिशा में एक मजबूत आधार प्रदान कर सकती है, जिससे खाद्य सुरक्षा को स्थिरता मिले और कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती। किसान आईडी और उर्वरक आपूर्ति की यह पहल एक विचार से अधिक, एक परीक्षा है—नीतियों की, क्रियान्वयन की और सबसे बढ़कर, विश्वास की। यदि सरकार डिजिटल अंतर को पाटने, हर वर्ग के किसान को शामिल करने और जमीनी स्तर पर सहायता सुनिश्चित करने में सफल होती है, तो यह पहल कृषि क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव ला सकती है। लेकिन यदि यह केवल आंकड़ों और घोषणाओं तक सीमित रह गई, तो यह भी उन योजनाओं की सूची में शामिल हो जाएगी, जो शुरू तो बड़े वादों के साथ हुईं, पर अंत में किसानों की उम्मीदों को अधूरा छोड़ गईं।

सत्य और जनसरोकार की तलाश में पत्रकारिता*

विवेक रंजन श्रीवास्तव

भारतीय वांग्मय के पौराणिक संदर्भों को देखें तो देवर्षि नारद संभवतः सृष्टि के पहले पत्रकार कहे जा सकते हैं, जो लोकमंगल हेतु सूचनाओं का आदान-प्रदान करते थे। इसी कड़ी में कुरुक्षेत्र की युद्धभूमि से संजय द्वारा धृतराष्ट्र को सुनाया गया आंखों देखा हाल लाइव रिपोर्टिंग का अद्भुत उदाहरण है। आधुनिक विश्व में पत्रकारिता का बीज 131 ईसा पूर्व रोम के एक्टा डियुर्ना (अ्रू ऊ४१ल्लं) में मिलता है, जो प्रस्तर पट्टियों पर सूचनाएं अंकित कर सार्वजनिक स्थानों पर लगाया जाता था। 15वीं शताब्दी में योहन गूटनबर्ग द्वारा मुद्रण यंत्र (प्रिंटिंग प्रेस) के आविष्कार ने सूचनाओं के इस प्रवाह को पंख लगा दिए और 1605 में विश्व का पहला मुद्रित समाचार पत्र रिलेशन अस्तित्व में आया। हिंदी पत्रकारिता का विधिवत जन्म 30 मई 1826 को हुआ, जब पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने कलकत्ता से उदंत मार्तंड (उगता हुआ सूरज) का प्रकाशन प्रारंभ किया। हालांकि भाषायी जटिलताओं और डाक व्यय के कारण यह साप्ताहिक पत्र मात्र छह माह ही चल सका, किंतु इसने हिंदी पत्रकारिता की वह मशाल जला दी थी, जिसे आगे चलकर राजा राममोहन राय जैसे समाज सुधारकों ने संरक्षण दिया। 1850 के दशक तक आते-आते प्रेस नियमों में ढील मिली और हिंदी पत्रों ने अपनी जड़ें जमानी शुरू की।

1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम ने पत्रकारिता के चरित्र को सूचना से बदलकर विद्रोह कर दिया। इस दौर में पत्रकारों ने कलम को तलवार की तरह इस्तेमाल किया। 20वीं सदी के प्रारंभ में जब स्वतंत्रता आंदोलन तीव्र हुआ, तब पत्रकारिता एक मिशन बन गई।

इस कालखंड में महात्मा गांधी का प्रवेश हिंदी पत्रकारिता के लिए स्वर्ण युग सिद्ध हुआ। गांधीजी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक प्रखर और आदर्शवादी संपादक भी थे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में इंडियन ओपिनियन से जो यात्रा शुरू की थी, उसे भारत में नवजीवन और हरिजन के माध्यम से पराकाष्ठा पर पहुँचाया। गांधीजी का मानना था कि "पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य सेवा होना चाहिए।" उन्होंने विज्ञापन रहित पत्रकारिता पर जोर दिया और हिंदी (हिंदुस्तानी) को जन-जन की भाषा बनाने के लिए अपने पत्रों को माध्यम बनाया। उनके संपादन में पत्रकारिता केवल समाचारों का संग्रह नहीं, बल्कि समाज सुधार और अहिंसक प्रतिरोध का शास्त्र बन गई। प्रताप के गणेश शंकर विद्यार्थी और भारत मित्र के बालमुकुंद गुप्त जैसे योद्धाओं ने गांधीवादी मूल्यों को धार दी।

साहित्यिक आयोजनों में जुगलबंदी का जाल

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय साहित्यिक परिदृश्य सदैव से विविधता, विचारशीलता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रतीक रहा है। यह वह क्षेत्र है जहाँ शब्द केवल रचना नहीं होते, बल्कि समाज के अनुभव, संघर्ष, संवेदनाएँ और परिवर्तन की आकांक्षाएँ भी अभिव्यक्त करते हैं। परंतु वर्तमान समय में साहित्यिक आयोजनों—विशेषकर सरकारी अकादमियों, संस्थानों, फाउंडेशनों और मंत्रालयों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों—को लेकर एक गंभीर प्रश्न खड़ा हो रहा है: क्या ये मंच वास्तव में प्रतिभा और सृजनशीलता के आधार पर संचालित हो रहे हैं, या फिर जुगलबंदी और नेटवर्किंग ही इनके वास्तविक निर्धारक बन चुके हैं? आज यह धारणा तेजी से मजबूत हो रही है कि इन आयोजनों में भागीदारी का अवसर उन्हीं लोगों को मिलता है, जिनकी आयोजकों, चयनकर्ताओं या संबंधित पदाधिकारियों से निकटता होती है। यह निकटता कई रूपों में सामने आती है—व्यक्तिगत संबंध, वैचारिक समानता, संस्थागत जुड़ाव या वर्षों से बनी आपसी समझदारी। परिणामस्वरूप, एक सीमित समूह बार-बार मंचों पर दिखाई देता है, जबकि बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली और समर्पित रचनाकार अवसरों से वंचित रह जाते हैं। यह स्थिति केवल एक प्रशासनिक विसंगति नहीं, बल्कि साहित्य के मूल स्वभाव के विपरीत है। साहित्य का उद्देश्य ही है—समाज के विविध अनुभवों को स्थान देना, नए स्वरों को पहचानना और अभिव्यक्ति के नए आयामों को प्रोत्साहित करना। जब मंच सीमित लोगों तक सिमट जाते हैं, तो साहित्य की यह व्यापकता संकुचित होने लगती है। यह एक प्रकार का सांस्कृतिक केंद्रीकरण है, जहाँ अवसर और मान्यता कुछ हाथों में केंद्रित हो जाते हैं। नई पीढ़ी के लेखकों और रचनाकारों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से निराशाजनक है। आज का युवा लेखक अपनी रचनात्मकता के बल पर आगे बढ़ना चाहता है, लेकिन जब उसे यह महसूस होता है कि मंच तक पहुँचने के लिए सही लोगों से संपर्क होना अधिक आवश्यक है, तो उसका उत्साह क्षीण होने लगता है। यह न केवल उसकी व्यक्तिगत यात्रा को प्रभावित करता है, बल्कि साहित्यिक परंपरा की निरंतरता को भी बाधित करता है। इसके अतिरिक्त, यह प्रवृत्ति साहित्यिक विमर्श की गुणवत्ता को भी प्रभावित करती है। जब एक ही समूह के लोग बार-बार मंचों पर उपस्थित होते हैं, तो विचारों में विविधता घट जाती है। नए दृष्टिकोण, नए अनुभव और नई भाषिक शैलियाँ सामने नहीं आ पातीं। परिणामस्वरूप, साहित्य में एक प्रकार का ठहराव आ जाता है और वह समाज के बदलते स्वरूप को पूर्णतः प्रतिबिंबित नहीं कर पाता। यह समस्या केवल साहित्य तक सीमित नहीं है; कला, संस्कृति और शिक्षा जैसे अन्य क्षेत्रों में भी नेटवर्किंग और जुगलबंदी की यह प्रवृत्ति दिखाई देती है। परंतु साहित्य जैसे संवेदनशील और वैचारिक क्षेत्र में इसका प्रभाव अधिक गहरा होता है, क्योंकि यहाँ केवल अवसर ही नहीं, बल्कि विचारों की दिशा भी प्रभावित होती है।

हालाँकि, यह कहना भी एकतरफा होगा कि सभी संस्थान और आयोजन इसी प्रवृत्ति से ग्रस्त हैं। कई ऐसे उदाहरण भी हैं, जहाँ आयोजकों ने पारदर्शिता और निष्पक्षता को प्राथमिकता दी है।

एक घंटा अंधेरा: भविष्य की सुनहरी रोशनी का वैश्विक संकल्प

दिलीप कुमार पाठक

प्रकृति और मनुष्य का रिश्ता आदिकाल से एक अटूट डोर से बंधा रहा है, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने उस डोर को इतना खींच दिया है कि अब उसके टूटने की आहट साफ सुनाई देने लगी है। इसी आहट को पहचानने और दुनिया को एक धागे में पिरोने का नाम है—अर्थ ऑवर। हर साल मार्च के आखिरी शनिवार को दुनिया भर के करोड़ों लोग अपनी मर्जी से अपने घरों और दफ्तरों की लाइटें एक घंटे के लिए बंद कर देते हैं। यह केवल बिजली बचाने का कोई तकनीकी काम नहीं है, बल्कि यह धरती के प्रति हमारी कृतज्ञता और चिंता का एक सामूहिक प्रदर्शन है। 28 मार्च की वह शाम जब घड़ी की सुइयां एक खास वक्त पर आकर ठहरेंगी और शहर की चकाचौंध को एक सुकून भरी खामोशी निगल लेगी, तब वह अंधेरा हमें डराएगा नहीं, बल्कि हमें आईना दिखाएगा।

सोचिए, जिस सूरज की रोशनी और जिस हवा के झोंकों ने हमें जीवन दिया, आज वही हवा जहरीली हो रही है और वही मौसम बेईमान हो चुके हैं। हम एक ऐसी सभ्यता बन गए हैं जिसने उजाले की इतनी हसरत पाल ली कि हम सितारों भरी काली रातों का सौंदर्य ही भूल गए। अर्थ ऑवर हमें उसी प्राकृतिक सौंदर्य की याद दिलाता है। यह साठ मिनट का समय हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक तपती हुई धरती छोड़कर जा रहे हैं या एक सुरक्षित आशियाना? जब पेरिस के एफिल टॉवर से लेकर मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया तक की लाइटें गुल होती हैं, तो संदेश साफ होता है कि हम चाहे कितने भी आधुनिक क्यों न हो जाएं, कुदरत के नियमों से ऊपर नहीं हैं। नदी जैसे बहते इस जीवन में हम अक्सर भूल जाते हैं कि हर छोटी बूंद समंदर बनाती है। कई लोग सवाल करते हैं कि महज एक घंटा लाइट बंद करने से क्या होगा? क्या इससे ग्लोबल वार्मिंग रुक जाएगी? जवाब है—शायद तुरंत नहीं, लेकिन यह एक घंटा हमारे भीतर की सोई हुई चेतना को जगाने के लिए काफी है। यह एक ऐसी प्रतीकात्मक शुरूआत है जो हमें बताती है कि अगर हम एक घंटे के लिए पूरी दुनिया के साथ एकजुट हो सकते हैं, तो हम साल के बाकी दिनों में भी पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बन सकते हैं। यह अंधेरा दरअसल हमारी आत्मा का वह उजाला है जो हमें प्लास्टिक कम इस्तेमाल करने, पानी बचाने और हरियाली बढ़ाने की प्रेरणा देता है। आज जलवायु परिवर्तन कोई किताबी शब्द नहीं रह गया है, बल्कि यह हमारे दरवाजों पर दस्तक दे रहा है। कहीं बेमौसम बरसात हो रही है, तो कहीं रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है।

पीएम हाउस से शव वापस पहुंचते ही पूर्व प्रधान की हत्या के विरोध में चक्का जाम

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के औधन गांव में शुक्रवार की आधी रात्रि को मजरा फरीदपुर निवासी पूर्व प्रधान बादाम सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद जैसे ही शव परिवार के लोगों को मिला गांव के सैकड़ो लोगों के साथ परिवार के लोगों ने रविवार की सुबह करीब 9 बजे नेवादा में तिल्हापुर मोड़ से पुरखास रोड पर अपने घर के सामने सड़क पर शव रखकर सैकड़ो लोगों ने चक्का जाम कर दिया हत्या का खुलासा और हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर भीड़ ने जमकर नारेबाजी की।इस दौरान सड़क पर लंबा जाम लग गया और आवागमन बाधित रहा।

सड़क पर शव रख कर चक्का जाम की जानकारी मिलते ही कई थाने की पुलिस फोर्स के साथ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाने का प्रयास किया,लेकिन परिजन मांगों पर अड़े रहे।पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी कर मामले का खुलासा किया जाएगा।क्षेत्र में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। तमाम प्रयास के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन मिलने के बाद परिवार के लोगों और ग्रामीणों ने सड़क का चक्का जाम समाप्त किया है उसके बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया है।

रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आया किशोर, मौत

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज : करछना थाना क्षेत्र के पचदेवरा गांव के सामने रविवार को एक दर्दनाक हादसे में 12 वर्षीय किशोर की ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना से गांव में मातम छा गया है।पचदेवरा गांव निवासी राज यादव (12) पुत्र रामतौल यादव का घर रेलवे लाइन के उस पार स्थित है। बताया गया कि रविवार दोपहर करीब 12 बजे वह घर से बाजार सामान लेने के लिए निकला था। इसी दौरान दिल्ली-हावड़ा रेलवे लाइन पार करते समय वह ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजना चाहा, लेकिन परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। राज यादव दो भाइयों में सबसे बड़ा था और गांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय में कक्षा सात का छात्र था। उसके पिता मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। हादसे के बाद मां सुनीता देवी का रो-रोकर बुरा हाल है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की कार्यशाला में जुटे भाजपाई

भाजपाइयों ने की रीति नीति पर विस्तार से चर्चा

राम सिंह यादव

सबसे तेज प्रयागराज

झूंसी। कैलाश धाम आश्रम झूंसी में गंगापार जिले के झूंसी मंडल द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान 2026 की कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य अतिथि के रूप में काशी क्षेत्र के पूर्व मंत्री ओम प्रकाश मौजूद रहे। मुख्य अतिथि द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विधायक फूलपुर दीपक पटेल जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान, महापौर गणेश केसरवानी, पूर्व विधायक प्रभाशंकर पाण्डेय, चेयरमैन अमरनाथ यादव, जिला उपाध्यक्ष मनोज निषाद, जिला उपाध्यक्ष किरण त्रिवेदी, झूंसी मंडल अध्यक्ष रोहित निषाद पार्षद अरुण कुमार मिश्रा पिंटू नेता, मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी, भूपेन्द्र पांडेय सहित गंगापार जिले के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थिति रहे।

धूमधाम से मनाया गया विश्वकर्मा होली मिलन समारोह

सबसे तेज प्रयागराज

लखनऊ। विश्वकर्मा समाज की सामाजिक समितियों द्वारा लखनऊ के कृषि भवन प्रेक्षागृह में सामूहिक विश्वकर्मा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन से हुआ। श्रीयशी विश्वकर्मा ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंखला में भगवान विश्वकर्मा के भजन के अलावा विभिन्न कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। कवियों ने कविता और हास्य व्यंग्य रचना पेश कर उपस्थित लोगों का मन मोहा। लखनऊ की विश्वकर्मा पांचाल ब्राह्मण सभा सरोजनी देवी लेन, ककुहास पांचाल ब्राह्मण सभा मकबूलगंज, श्री विश्वकर्मा सेवा समिति एचएएल लखनऊ मंडल, विश्वकर्मा नारी शक्ति संगठन लखनऊ, विश्वकर्मा समाज सेवा समिति मोहनलालगंज तथा श्री आदिदेव विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट लखनऊ के इस संयुक्त प्रयास की उपस्थित जनों द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। समारोह में अतिथि तौर पर विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉक्टर कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉक्टर शशिकांत शर्मा, जेलर अनिल विश्वकर्मा, एसडीएम राजेश विश्वकर्मा ने शिरकत की। अखिलेश मोहन विश्वकर्मा, अरुण विश्वकर्मा, सुरेश विश्वकर्मा, सुशील कुमार शर्मा, विजय विश्वकर्मा, राममिलन विश्वकर्मा, रमेश विश्वकर्मा, काशी प्रसाद विश्वकर्मा, रजनी विश्वकर्मा, सुनीता विश्वकर्मा, कमलेश प्रताप विश्वकर्मा, राम मूरत विश्वकर्मा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। उपस्थित लोगों ने वैष्णवी आर्ट के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत फूलों की होली का भरपूर आनंद उठाया।

अवैध खनन पर पुलिस का शिकंजा, कई लोगों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया । स्थानीय थाना क्षेत्र के मनसैता नदी की तराई में स्थित सरकारी तालाब की भूमि पर अवैध खनन और कब्जे के मामले में पुलिस व राजस्व टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की है। शिकायत के आधार पर कई लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। गोमती नगर, लखनऊ निवासी विशाल भारद्वाज ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया था कि फूलपुर तहसील के जुगनीडीह गांव में मनसैता नदी की तराई में अवैध खनन कराया जा रहा है। साथ ही सरकारी तालाब की जमीन पर संगठित तरीके से कब्जा किया जा रहा है।मामले को गंभीरता से लेते हुये जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी फूलपुर से मामले की जांच कर के कारवाई का निर्देश दिया तो मौके पर उपजिलाधिकारी राजस्व टीम के साथ जांच की तो शिकायत सही पाई गई । उपजिलाधिकारी के आदेश पर हल्का लेखपाल शफीक अहमद की तहरीर पर बहरिया पुलिस ने शनिवार देर रात तौफीक अहमद उर्फ पप्पू बालू,तमसीर अहमद,मंसूर अहमद उर्फ बबलू, निसार अहमद , इमरान अहमद उर्फ गुलजार,,सर्फराज अहमद उर्फ अन्नू, इश्तियाक अहमद ,फुरकान अहमद व मोहम्मद सैफ के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। थानाध्यक्ष बहरिया ब्रजेश सिंह का कहना है कि हल्का लेखपाल की तहरीर पर अवैध खनन और सरकारी तालाब पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य ने सुनी प्रधानमंत्री के 132वें 'मन की बात'

सबसे तेज प्रयागराज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने सरकारी आवास 7 कालिदास मार्ग पर भाजपा कार्यकताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 132वें 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री द्वारा किए गए महत्वपूर्ण बयानों और प्रेरक प्रयासों का समावेश किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस कार्यक्रम में विशेष रूप से वाराणसी में हुए रिकॉर्ड पौधारोपण अभियान, ह्यज्ञान भारतमह्ल पहल और आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने इन प्रयासों को देशवासियों के सामूहिक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास न केवल पर्यावरण को संरक्षित करने में मददगार हैं, बल्कि समाज में जागरूकता और एकता की भावना को भी मजबूत करते हैं। प्रधानमंत्री ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे एकजुट रहें, अफवाहों से बचें और अपने कर्तव्यों का पालन करें ताकि हम सभी मिलकर एक सशक्त और विकसित भारत का निर्माण कर सकें। उन्होंने ईरान द्वारा भारतीय तेल जहाजों को गुजरने की अनुमति देने के फैसले का स्वागत करते हुए इसे प्रधानमंत्री का एक सकारात्मक कदम बताया।

उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने प्रधानमंत्री के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में भारत निरंतर विकास की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप राज्य में विकास कार्यों को प्राथमिकता दे रही है। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम में जो संदेश दिया गया है, वह अत्यंत प्रेरणादायक है। हम सभी को उनकी बातों को आत्मसात करना चाहिए और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

नाटक 'बकरी' ने दिखाया समाज का कड़वा सच

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा आयोजित भरतमुनि नाट्य समारोह के तीसरे दिन नाटक 'बकरी' का प्रभावशाली मंचन किया गया।

डॉ. शिशु कुमार सिंह के निर्देशन में प्रस्तुत यह नाटक सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की चर्चित रचना पर आधारित है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. धनञ्जय चोपड़ा, कोर्स कोऑर्डिनेटर सेंटर ऑफ मीडिया स्टडीज इलाहाबाद विश्वविद्यालय, केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा, उपनिदेशक (प्रशासन) डॉ. आदित्य श्रीवास्तव एवं उपनिदेशक (कार्यक्रम) डॉ. मुकेश उपाध्याय द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। नाटक के माध्यम से दिखाया गया कि डकैत प्रवृति के तीन युवक दुर्जन सिंह, कर्मवीर व सत्यवीर अपने पुराने धंधे को छोड़कर ठगी करने की योजना बनाते हैं। गांव के दलित की बकरी को दीवान द्वारा चोरी करवा देते हैं। इतना ही नहीं, गांव के भोली-भाली जनता से गांधीजी की बकरी के नाम पर दान लेना शुरू कर देते हैं। नाटक में बकरी को जनता के रूप में आधार बनाकर नेताओं की छवि को लोगों के सामने रखा गया। नाटक में दिखाया गया कि नेता जनता को गुमराह

करते हैं और चुनाव में विजय हासिल कर लेते हैं। आम जनता हर बार ठगी जाती है। जनता निरीह नजर आती है। इस बात का प्रमाण नाटक में जनता के संवाद में स्पष्ट दिखा। नाटक के अंत में जनता प्रतीकात्मक विद्रोह के माध्यम से नकली पहलुओं की पोल खोल देती है, लेकिन सवाल फिर भी अधूरा रह जाता है कि क्या पोल खोलना ही समाधान है। नौटंकी शैली में प्रस्तुत इस नाटक में कजरी, सोहर और निर्गुण लोकगीतों का सशक्त समावेश दर्शकों को लोक संस्कृति से जोड़ते हुए संदेश को प्रभावी बना गया। दीवान की भूमिका में हर्ष अग्रवाल, दुर्जन सिंह बने ओमेन्द्र पुरी गोस्वामी तथा कर्मवीर की भूमिका में हर्षल मेश्राम ने प्रभावशाली अभिनय से दर्शकों की खूब सराहना बटोरी।

सौदामिनी संस्कृत महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया शताब्दी समारोह

'शब्द स्वरूप विमर्श' पुस्तक का किया गया विमोचन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सौदामिनी संस्कृत महाविद्यालय मे चल रहे शताब्दी समारोह के दूसरे दिन मंच पर डॉ मुरारजी त्रिपाठी द्वारा लिखित'शब्द स्वरूप विमर्श' पुस्तक का लोकार्पण किया गया। पूर्व जिलाधिकारी आईएएस डॉ सुरेंद्र कुमार पांडेय, ?काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व व्याकरण विभागाध्यक्ष प्रोफेसर भगवत शरण शुक्ल? हिंदी साहित्य सम्मेलन के प्रधानमंत्री कुंतक मिश्र, सुरुचि तिवारी, आचार्य शंभू नाथ त्रिपाठी अंशुल ने पुस्तक का लोकार्पण किया।

इस पुस्तक के लेखक सर्वार्य इंटर

कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काशी प्रान्त के प्रान्त प्रचार प्रमुख डॉ मुरारजी त्रिपाठी ने सभागार में उपस्थित श्रोताओ को संबोधित करते हुए कहा कि सरल संस्कृत मे लिखित पुस्तक 'शब्द स्वरूप विमर्श:' भारतीय ज्ञान परम्परा के निगूढ तत्वो पर प्रकाश डालती है। भारतीय चिंतन परंपरा में शब्द को ब्रह्म कहा गया है। इसमे शब्दब्रह्म के स्वरूप का बहुत बारीकी से विवेचन किया गया है, जिसे बहुत आसानी से समझा जा सकता है। ऋषियो के चिन्तन की ग्रंथियो को इसमे खोला गया है।

कबीर ने कहा- साधो, शब्द साधना कीजै। जेहि शब्द ते प्रगट भए सब सोई गहि लीजै। पुस्तक का यही प्रतिपाद्य है। भारत के प्राचीन विश्वविद्यालयो में आचार्यो का विषय के अनुसार वर्गीकरण, पढ़ाई जाने वाली 14 विद्याओं की विभिन्न शाखाएं, प्रसिद्ध विश्वविद्यालयो के ऋषिकल्प कुलपतियों के नाम तथा उनकी शिक्षण पद्धति आदि का इसमें विस्तृत विवेचन किया गया है। वाणी के 4 स्तर परा, पश्यन्ती मध्यमा और वैखरी की पर्तों को इसमे खोला गया है।

पुलिस हिरासत से आरोपी छुड़ाने को किया बवाल, सिपाही की वर्दी फाड़ी, दरोगा के नेम प्लेट नोचे

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। न्यायालय मेजा के समक्ष प्रस्तुत करने नैनी कोतवाली से दारोगा और सिपाही अभियुक्त को लेकर जा रहे थे तभी अभियुक्त की पत्नी अपने दो परिचितों के साथ आई और अभियुक्त को छुड़ाने की कोशिश की। आरोप है कि इस दौरान पुलिसकर्मियों से मारपीट की गई। एक सिपाही की वर्दी फाड़कर एक दरोगा का नेम प्लेट नोच लिया गया। इस बीच अभियुक्त ने पुलिस हिरासत से फरार होने की कोशिश की पर उसे दौड़ाकर दोबारा पकड़ लिया गया। दरोगा की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ नैनी कोतवाली में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, मूल रूप से मध्य प्रदेश के रीवा जिला, तहसील त्योथर, थाना जनेह क्षेत्र के सरुई गांव का रहने वाला दिलीप कुमार सिंह नैनी कोतवाली क्षेत्र के शक्ति नगर, चाका, गंगोत्री नगर में मकान बनवाकर परिवार समेत रहता है। दिलीप कुमार सिंह को एक महिला और उसके बच्चे से मारपीट के आरोप में नैनी कोतवाली पुलिस पकड़ कर कोतवाली लेकर आई। दिलीप कुमार सिंह के खिलाफ धारा 170, 126, 135 बीएनएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर किया गया। दरोगा शिवजी गुप्ता, अंकित शर्मा, कांस्टेबल प्रदीप यादव अभियुक्त को न्यायालय कार्य पालक मेजा के समक्ष प्रस्तुत करने ले जा रहे थे। गंगोत्री नगर पुलिस चौकी प्रभारी शिवजी गुप्ता ने नैनी कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि वह नैनी कोतवाली परिसर के बाहर पहुंचे तो अभियुक्त दिलीप कुमार सिंह की पत्नी रीना सिंह व दो अन्य अज्ञात व्यक्तियों के साथ आए और सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए पुलिस वालों से अभद्रता व मारपीट की। इस दौरान हमलावर अभियुक्त को पुलिस हिरासत से छुड़ाकर भागने का प्रयास करने लगे। शोरगुल सुनकर नैनी थाना कार्यालय पर मौजूद कांस्टेबल गोपाल चाहर मौके पर आए तो उनकी भी वर्दी फाड़ दी गई। पुलिस स्टेशन मामले में कोतवाली में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

श्रीराम जानकी हनुमान मंदिर में भव्य व दिव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह

श्रीराम नवमी के दिन प्रभु का प्राकट्योत्सव, विभिन्न राज्यों से आए भक्त

सबसे तेज प्रयागराज

अयोध्या। जय श्रीराम के गगनभेदी उद्घोष के बीच परमशक्ति धाम श्रीराम जानकी हनुमान मंदिर में 5 दिवसीय भव्य, दिव्य, नव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह मनाया गया। भारत वर्ष के सभी राज्यों से यहां आने वाले श्रीराम भक्तों का तांता लगा रहा।

परमशक्ति धाम चैरिटेबल ट्रस्ट की मुख्य ट्रस्टी व अध्यक्ष दिव्या पाण्डेय ने बताया कि 5 दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 23 से 27 मार्च तक आयोजित किया गया। इस अवसर पर आचार्य संजीव शुक्ल, सतीश तिवारी, वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती इंदुमती देवी पाण्डेय, आरके पाण्डेय, प्रमोद लक्ष्मीकांतराव झाल्टे, दिनेश मिश्र,

अतुल कुमार सिंह, दलबीर सिंह, मानसी झाल्टे, दिव्या पाण्डेय, जूली सिंह, निधि पाण्डेय, संजय श्रीवास्तव, बृजेश कुमार पाण्डेय, स्नेहा पटेल, धैर्य पटेल, विकास तिवारी, संगीता छंगानी, राजेश्वरी, यातायात निरीक्षक पवन पाण्डेय, नीतेश शुक्ल, संजीव कुमार, वीरभद्र त्रिपाठी, विकास कुमार तिवारी, कमला प्रसाद मिश्र, दीपा मिश्रा, प्रियंका दूबे, शिवम मिश्र, रिंकू पाण्डेय, श्रेया दूबे, अथर्व दूबे, वेदांश पाण्डेय, संगीता त्रिपाठी, महिमा पाण्डेय, बालकृष्ण शुक्ल, दीपक चंद्र पाण्डेय, कृष्ण कुमार तिवारी, मनोज कुमार दीक्षित, श्रीकांत वर्मा, धनंजय मनार, मनोज कुमार वर्मा समेत अन्य कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

52 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार, कार व मोबाइल बरामद

26 लाख है बरामद गांजा की अनुमानित कीमत

सबसे तेज प्रयागराज

नैनी। एंटी नोरकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) यूनिट प्रयागराज ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को एक सक्रिय तस्कर विकाश पाल को नैनी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से 52 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 26 लाख रुपये बताई गई। पुलिस ने मौके से बिना नंबर की एक हुंडई औरा कार, एक

मोबाइल और चार सौ रुपये नगद भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी विकाश पाल पुत्र रामअवतार पाल निवासी सैदपुर थाना करेली को नैनी क्षेत्र में अरैल बांध रोड से पकड़ा गया। पूछताछ में उसने बताया कि उसे कौशांबी निवासी एक व्यक्ति ने कार में गांजा रखकर सप्लाई के लिए दिया था। कार की नंबर प्लेट भी उसी ने हटाई थी। वह माल को कोरांव क्षेत्र में सप्लाई करने जा रहा था। इस संबंध में थाना नैनी में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक नैनी बृज किशोर गौतम, एएनटीएफ यूनिट प्रयागराज के प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र प्रधान सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। तस्कर को पकड़ने में नैनी पुलिस और एएनटीएफ मुख्यालय लखनऊ की सर्विलांस टीम ने भी सहयोग किया।

रुपया रिकॉर्ड गिरावट पर, विदेशी भंडार का पहरा आरबीआई संभालेगा

विदेशी दबाव और निवेशक आउटफ्लो के चलते आरबीआई का आर्थिक संतुलन चुनौतीपूर्ण

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इस समय ऐतिहासिक चुनौती का सामना कर रहा है। ईरान और इजराइल के बीच युद्ध, वैश्विक तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी निवेशकों के अचानक अरबों डॉलर की निकासी ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा दिया है। रुपये की गिरावट रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुकी है, वहीं विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखना भी अनिवार्य हो गया है। आम आदमी की जेब, उद्योग और सरकार–सब इस अस्थिरता से सीधे प्रभावित हैं। आरबीआई के सामने दो विकल्प हैं- या तो रुपये को स्थिर रखें, जिससे घरेलू नकदी और ब्याज दरों पर असर पड़ेगा, या विदेशी मुद्रा भंडार की रक्षा करें, जिससे रुपये में गिरावट आ सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियों में आरबीआई शायद रुपये की कुछ कमजोरी सहन करके विदेशी मुद्रा भंडार को प्राथमिकता देगा, ताकि लंबी अवधि में देश की आर्थिक स्थिरता सुरक्षित रह सके। ईरान और इजराइल के बीच युद्ध और वैश्विक तेल की बढ़ती कीमतों ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर अप्रत्याशित दबाव डाला है। विदेशी निवेशकों ने मार्च में 12.1 अरब डॉलर निकाल लिए, जो एक महीने में अब तक का सबसे बड़ा आउटफ्लो है। इस वजह से रुपये की गिरावट 74 के स्तर तक पहुंच गई, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को विदेशी मुद्रा भंडार और रुपये की स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखना मुश्किल हो गया है। भारत के कुल विदेशी मुद्रा भंडार 13 मार्च तक 710 अरब डॉलर था, जिसमें मुख्य रूप से विदेशी मुद्राएं, सोना, विशेष निकासी सुविधा (एसडीआर) और आईएमएफ में विशेष ट्रेंच पोजिशन शामिल हैं। सोना लगभग कभी बेचा नहीं गया और एसडीआर या ट्रेंच पोजिशन की सीमा सीमित है। इसका मतलब यह है कि वास्तविक तौर पर आरबीआई के पास विदेशी मुद्राओं का मुख्य भंडार ही इस्तेमाल करने योग्य है। आरबीआई के पास रुपये की गिरावट को रोकने के दो विकल्प हैं। पहला, हाजिर बाजार में विदेशी मुद्रा बेचकर रुपये को खरीदना, जिससे रुपये की कीमत स्थिर हो सकती है लेकिन घरेलू नकदी कम हो जाएगी और ब्याज दरों में वृद्धि का खतरा बढ़ेगा। दूसरा, फॉरवर्ड या फ्यूचर मार्केट में मुद्रा बेचना, जिससे रुपये की गिरावट रोकी जा सकती है और ब्याज दरों पर असर नहीं पड़ेगा। जनवरी से अब तक आरबीआई ने लगभग 68 अरब डॉलर फॉरवर्ड मार्केट में बेचे, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 500 अरब डॉलर तक घट गया। हालांकि रुपये की गिरावट आम आदमी और उद्योग दोनों पर असर डालती है, लेकिन वर्तमान वैश्विक अस्थिरता और उच्च आयात बिल के दबाव में आरबीआई के लिए विदेशी मुद्रा भंडार को बचाए रखना अहम हो गया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि रुपये की गिरावट अभी 97 तक जा सकती है। इसलिए, आरबीआई संभवतः रुपये की कुछ गिरावट सहन कर विदेशी मुद्रा भंडार को प्राथमिकता देगा। इस स्थिति में रुपये में गिरावट का सीधा असर आम आदमी की जेब पर दिखाई देगा। ईंधन, आयातित वस्तुएं और महंगाई बढ़ सकती है। वहीं यदि आरबीआई विदेशी मुद्रा भंडार की रक्षा में सफल रहता है, तो देश लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय भुगतान और आयात बिल की जरूरतों को पूरा कर सकेगा।

लंबी ट्रिप के लिए सुरक्षित और आरामदायक हैं ये 5 दमदार एसयूवी

नई दिल्ली ।

लंबी दूरी और अनजान रास्तों पर भरोसेमंद गाड़ी होना सबसे जरूरी होता है। होंडा एलीवेट अपनी मजबूत इंजीनियरिंग और भरोसेमंद 1.5-लीटर आई-वीटेक पेट्रोल इंजन के लिए जानी जाती है। इसकी केबिन आरामदायक और ड्राइव स्मूथ है, जिससे लंबी दूरी का सफर आसान हो जाता है। टोयोटा फॉर्च्यूनर फुल-साइज एसयूवी में 2.8-लीटर डीजल इंजन और 4×4 विकल्प है, जो दुर्गम रास्तों और कीचड़ वाले इलाके में भी बेहतरीन प्रदर्शन देती है। इसुजु एमयू-एक्स में 1.9-लीटर टर्बोचार्ज्ड डीजल इंजन है। इसकी मजबूती इसे कठिन रास्तों के लिए आदर्श बनाती है। 4गुणा 2 और 4गुणा4 विकल्प लंबी ट्रिप में सुरक्षा और नियंत्रण सुनिश्चित करते हैं।

ईंधन बचाने वाली 5 पेट्रोल-हाइब्रिड कारें बाजार में उपलब्ध

नई दिल्ली ।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच अब बाजार में पेट्रोल-हाइब्रिड कारें आ चुकी हैं, जो माइलेज के मामले में डीजल को भी टक्कर देती हैं। इनमें पेट्रोल इंजन के साथ स्मार्ट इलेक्ट्रिक मोटर होती है, जो ईंधन की बचत करती है। मारुति सुजुकी विक्टोरिस इस लिस्ट में सबसे आगे है। यह कार एक लीटर पेट्रोल में 28.6 किमी तक चलती है। 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर का कॉम्बिनेशन लंबी ट्रिप के लिए इको, नॉर्मल और पावर तीन ड्राइविंग मोड देता है। होंडा सिटी हाइब्रिड 1.5-लीटर इंजन और दो इलेक्ट्रिक मोटरों से 125बीएचपी पावर देती है और 26.5 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसमें लेन वॉच असिस्ट जैसे स्मार्ट फीचर्स सुरक्षा में मदद करते हैं। बड़ी फैमिली के लिए टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस हाइब्रिड 23.24 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसका 2.0-लीटर इंजन फैमिली और सामान के साथ भी हाईवे पर दमदार प्रदर्शन करता है। इसमें जेबीएल साउंड सिस्टम और बड़ी सनरूफ जैसी लग्जरी सुविधाएं दी गई हैं। टोयोटा कैमरी 2.5-लीटर इंजन के बावजूद 25.49 किमी प्रति लीटर

का माइलेज देती है। इसका इंटीरियर लग्जरी और आरामदायक है, जिसमें सीटें रीक्लाइन करने योग्य हैं। वोल्वो एक्ससी90 अपनी सेफ्टी और रुतबे के लिए लोकप्रिय है। 2.0-लीटर इंजन और 48वी सिस्टम ईंधन बचाने में मदद करता है। इसमें लग्जरी लेदर सीट्स और बेहतरीन सेफ्टी फीचर्स लंबे सफर को सुरक्षित बनाते हैं।

ये पांच पेट्रोल-हाइब्रिड कारें अब हाईवे ट्रिप के लिए बेहतरीन विकल्प बन गई हैं।

ईंधन बचाने वाली 5 पेट्रोल-हाइब्रिड कारें बाजार में उपलब्ध

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच अब बाजार में पेट्रोल-हाइब्रिड कारें आ चुकी हैं, जो माइलेज के मामले में डीजल को भी टक्कर देती हैं। इनमें पेट्रोल इंजन के साथ स्मार्ट इलेक्ट्रिक मोटर होती है, जो ईंधन की बचत करती है। मारुति सुजुकी विक्टोरिस इस लिस्ट में सबसे आगे है। यह कार एक लीटर पेट्रोल में 28.6 किमी तक चलती है। 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर का कॉम्बिनेशन लंबी ट्रिप के लिए इको, नॉर्मल और पावर तीन ड्राइविंग मोड देता है। होंडा सिटी हाइब्रिड 1.5-लीटर इंजन और दो इलेक्ट्रिक मोटरों से 125बीएचपी पावर देती है और 26.5 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसमें लेन वॉच असिस्ट जैसे स्मार्ट फीचर्स सुरक्षा में मदद करते हैं। बड़ी फैमिली के लिए टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस हाइब्रिड 23.24 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसका 2.0-लीटर इंजन फैमिली और सामान के साथ भी हाईवे पर दमदार प्रदर्शन करता है। इसमें जेबीएल साउंड सिस्टम और बड़ी सनरूफ जैसी लग्जरी सुविधाएं दी गई हैं। टोयोटा कैमरी 2.5-लीटर इंजन के बावजूद 25.49 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसका इंटीरियर लग्जरी और आरामदायक है, जिसमें सीटें रीक्लाइन करने योग्य हैं। वोल्वो एक्ससी90 अपनी सेफ्टी और रुतबे के लिए लोकप्रिय है। 2.0-लीटर इंजन और 48वी सिस्टम ईंधन बचाने में मदद करता है।

जेवर एयरपोर्ट से यमुना एक्सप्रेस-वे के आसपास जमीन के दाम बढ़ने की उम्मीद

एसईजेड के कुछ सेक्टरों में दरें पहले ही करीब 8,000 रुपए प्रति वर्ग फुट पहुंची

नोएडा, ।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन से यमुना एक्सप्रेस-वे के आसपास जमीन के दाम बढ़ने के आसार हैं। बाजार विश्लेषकों और डेवलपरों का कहना है कि रिहायशी और औद्योगिक दोनों इकाइयों की कीमतों में इजाफा होगा जिसका असर नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बाजारों पर भी पड़ेगा। रियल एस्टेट सलाहकार फर्म कॉलियर्स के आंकड़ों के मुताबिक यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में अगले दो सालों में भूखंड के दाम करीब 28 फीसदी और अपार्टमेंट की कीमतें करीब 22 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है। जेवर भी इसी इलाके में स्थित है जहां नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन आज यानी शनिवार को होना है।रिपोर्ट के मुताबिक जेवर हवाई अड्डे की घोषणा 2021 में की गई थी। उसके बाद से ही इस क्षेत्र के रियल एस्टेट में काफी हलचल रही है। पिछले पांच सालों में यीडा इलाके के अपार्टमेंट की कीमतें करीब तीन गुना बढ़ चुकी हैं। कीमतें 2020 में 3200 रुपए प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 2025 में 9,600 रुपए प्रति वर्ग फुट दर्ज की गईं। नैशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नरेडको) के अध्यक्ष ने कहा कि यमुना एक्सप्रेस-वे एसईजेड के कुछ सेक्टरों में दरें पहले ही करीब 8,000 रुपए प्रति वर्ग फुट तक पहुंच चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यह काफी अहम है। खास तौर पर यह देखते हुए कि जेवर के प्रभाव वाले इलाकों जमीन के दाम पिछले पांच सालों में करीब 40 फीसदी बढ़ चुके हैं।

पेट्रोल, डीजल की कीमतों को बढ़ने से रोकने सरकार ने घटाई एक्साइज ड्यूटी

अगले वित्त वर्ष में सरकार का राजस्व 1.3 लाख करोड़ रुपए हो सकता है कम

नई दिल्ली,। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को देखते हुए सरकार ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में 10 रुपए प्रति लीटर की भारी कटौती की है। पेट्रोल, डीजल की कीमतों को बढ़ने से रोकने के लिए यह फैसला लिया गया है ताकि उपभोक्ताओं पर बोझ नहीं पड़े लेकिन इससे अगले वित्त वर्ष में सरकार का राजस्व करीब 1.3 लाख करोड़ रुपए कम हो सकता है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक पेट्रोल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है और डीजल पर यह 10 रुपए प्रति लीटर से घटाकर शून्य कर दिया है। कटौती तुरंत लागू हो गई है। सरकार ने पिछले साल अप्रैल पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 2 रुपए प्रति लीटर बढ़ाया था। सरकार ने देसी बाजार में दोनों की पर्याप्त उपलब्धता तय करने के लिए डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर एक बार फिर शुल्क लगा दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीजल निर्यात पर 21.5 रुपए प्रति लीटर और एटीएफ निर्यात पर 29.5 रुपए प्रति लीटर का शुल्क लगाया है। पहले इनके निर्यात पर शुल्क नहीं था। अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के बीच भारत से 1.4 करोड़ टन पेट्रोल और 2.36 करोड़ टन डीजल का निर्यात किया, जिसमें बड़ा हिस्सा रिलायंस इंडस्ट्रीज का रहा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में प्रति लीटर 10 रुपए की कमी की गई है। इससे उपभोक्ता कीमत में इजाफे से बच जाएंगे।सरकार के अधिकारियों का अनुमान है कि शुल्क में कटौती से अगले पंद्रह दिनों में करीब 7,000 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान होगा, जिसके बाद स्थिति की समीक्षा की जाएगी। इससे संकेत मिलता है शुल्क में यह कटौती कुछ समय के लिए ही है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन ने कहा कि सरकार हर पंद्रह दिनों में डीजल और एटीएफ पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क की समीक्षा करेगी। पेट्रोल की कीमतें रोजाना बदलने वाली मूल्य व्यवस्था से तय की जाती हैं, जो कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत, विनिमय दर और करों के पिछले 15 दिन के औसत पर काम करती है। अंतिम उपभोक्ता मूल्य में आधार मूल्य, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, डीलर कमीशन और राज्य-स्तरीय वैट शामिल होता है।उन्होंने कहा कि शुल्क कटौती से अगले 15 दिन में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन जैसी तेल कंपनियों को करीब 1,500 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय होने की उम्मीद है। अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि कटौती पूरे वित्त वर्ष 2027 में लागू रही तो सरकारी खजाने को 1.3 लाख करोड़ से 1.7 लाख करोड़ रुपए तक की चपत लग सकती है। एक अन्य अर्थशास्त्री ने कहा कि शुल्क में कटौती से तेल कंपनियों को राहत मिलेगी। यदि ऐसा नहीं होता तो कीमतों में वृद्धि का भार उपभोक्ताओं पर डाला जा सकता था।

भारत के लिए ईरानी कच्चे तेल की आपूर्ति सीमित, चीन बन रहा प्राथमिक खरीदार

अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्थिति- ईरान के पास अंतरराष्ट्रीय बिक्री के लिए अतिरिक्त तेल उपलब्ध नहीं

नई दिल्ली।

भारतीय रिफाइनरियों के लिए ईरानी कच्चा तेल अब उपलब्ध तो है, लेकिन मात्रा बेहद सीमित और समय-सीमा बहुत संकीर्ण है। वॉशिंगटन द्वारा फ्लोटिंग स्टोरेज और ट्रांजिट में मौजूद ईरानी तेल की बिक्री के लिए हालिया छूट देने के बाद इसका रुख बदल गया है, और अधिकांश तेल चीन की ओर जा रहा है। भारत मार्च और अप्रैल में डिलीवरी के लिए रूस से स्टोरेज में मौजूद 100 मिलियन बैरल तेल का 60 फीसदी पहले ही खरीद चुका है, जबकि ईरानी तेल के लिए भारत के हिस्से में 10 मिलियन बैरल से कम मिल सकते हैं। एक वरिष्ठ ट्रेडर ने बताया कि डिलीवरी के लिए केवलएक महीने की सीमित समय-सीमा (19 अप्रैल तक) ने भारतीय सरकारी रिफाइनरियों के लिए सप्लाई चेन प्रबंधन को चुनौतीपूर्ण बना दिया है। इस समय में विक्रेताओं की पहचान, उनकी विश्वसनीयता की जांच और शिपिंग व्यवस्था करना मुश्किल हो रहा है। पहले ईरानी कच्चे तेल की बिक्री पूरी तरह नेशनल ईरानियन ऑयल कंपनी (एनआईओसी) के नियंत्रण में थी। लेकिन अब यह बिक्री मुख्य रूप से उन ट्रेडर्स के नियंत्रण में है, जो इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) से जुड़े हैं। ब्रिटेन स्थित एनर्जी इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार प्रतिबंधित तेल की आपूर्ति अब संदिग्ध हितों द्वारा की जा रही है, जिनके पास फंट कंपनियों और किराये पर लिए गए जहाजों का नेटवर्क है। एक सीनियर रिफाइनिंग अधिकारी ने कहा कि इस नई व्यवस्था में तेल खरीदना और डिलीवरी सुनिश्चित करना भारतीय रिफाइनरियों के लिए और कठिन हो गया है। मुंबई स्थित ईरानी वाणिज्य दूतावास ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में ईरान के पास अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए अतिरिक्त तेल उपलब्ध नहीं है। अमेरिकी वित्त मंत्री की हालिया टिप्पणियां मुख्य रूप से खरीदारों को आश्वस्त करने और बाजार को स्थिर करने के उद्देश्य से प्रतीत होती हैं। कई वर्षों से ईरानी तेल का खुले तौर पर व्यापार नहीं हुआ है, जिससे इसकी गुणवत्ता और सप्लाई को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। भारतीय रिफाइनर-सरकारी

या निजी ईरानी तेल खरीदने के इच्छुक थे, खासकर तब जब अमेरिका ने 20 मार्च को स्टोरेज और ट्रांजिट में मौजूद तेल पर 30 दिन की छूट दी। लेकिन सीमित समय-सीमा, सप्लाई की कमी और आईआरजीसी से जुड़े नेटवर्क के कारण इस दिशा में आगे बढ़ना मुश्किल हो गया। इस स्थिति में भारत के लिए मुख्य तेल स्रोत अभी भी रूस और अन्य पारंपरिक आपूर्तिकर्ता हैं। ईरानी तेल संभावित स्रोत के रूप में मौजूद है, लेकिन मात्रा कम और जोखिम अधिक है।

नए फोन रियलमी 16 5जी जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली । चायनीज कंपनी रियलमली जल्द ही अपने नए फोन रियलमी 16 5जी को लॉन्च करने जा रही है, जिसमें भारत का पहला सेल्फी मिरर फीचर दिया गया है। इसे ÷सेल्फी मिरर फोन÷ के नाम से टीज किया गया है। अब यूजर पीछे वाले कैमरे से भी आसानी से शानदार सेल्फी ले सकेंगे। फोन के रियर कैमरा मॉड्यूल के साथ एक छोटा मिरर जुड़ा होगा, जिससे खुद को देखकर हाई क्वालिटी फोटो क्लिक की जा सकेगी। रियलमी 16 5जी का डिजाइन भी यूनिक और प्रीमियम बताया जा रहा है। पीछे की तरफ लंबा कैमरा बार दिया गया है, जो पिक्सल और आईफोन जैसी याद दिलाता है। कंपनी इसे ÷एयर डिजाइन÷ कह रही है, यानी फोन हल्का और पकड़ने में आरामदायक रहेगा। कलर चेंजिंग फिनिश इसे और स्टाइलिश बनाती है। फोन के कैमरा सेटअप पर खास फोकस है। इसमें 50एमपी का सोनी आईएमएक्स 852 मेन कैमरा और 2एमपी सेकेंडरी सेंसर दिए जाने की संभावना है। साथ ही 50एमपी का फ्रंट कैमरा भी मिलेगा। सेल्फी मिरर फीचर के साथ यह सेटअप यूजर्स को नया डिजिटल अनुभव देगा। परफॉर्मेंस के लिए फोन में मीडियाटेक डायमेंसिटी 6400 टर्बो प्रोसेसर का इस्तेमाल हो सकता है।

औद्योगिक सेक्टर के लिए राज्यों को वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन का कोटा बढ़ा

सरकार ने 20 फीसदी की वृद्धि कीश् अब यह कोटा 70 फीसदी हो गया

नई दिल्ली,।

केंद्र सरकार ने इस्पात और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों समेत तमाम औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने के लिए राज्यों को वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन में 20 फीसदी की और वृद्धि की है। इससे अब यह कोटा युद्ध से पहले की मांग का 70 फीसदी हो गया है।पेट्रोलियम सचिव नीरज मित्तल ने राज्य के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में कहा कि अतिरिक्त आपूर्ति इस्पात, ऑटोमोबाइल, कपड़ा, डाई, रसायन और प्लास्टिक जैसे श्रम वाले उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी, क्योंकि इनसे ही अन्य कई जरुरत क्षेत्र जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा 50 फीसदी आवंटन के अतिरिक्त अब 20 फीसदी और गैस दी जाएगी, जिससे कुल वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन गैर-घरेलू एलपीजी के युद्ध से पहले की मांग का 70 फीसदी हो जाएगा। तेल मंत्रालय ने इस महीने की शुरुआत में तीन अलग-अलग निर्देशों के जरिए राज्यों को युद्ध-पूर्व वाणिज्यिक एलपीजी कोटे का 40 फीसदी आवंटित किया था।

मंत्रालय ने पीएनजी को बढ़ावा देने के लिए कुछ सुधारों के आधार पर राज्यों को 10 फीसदी अतिरिक्त एलपीजी आवंटित की थी।

अब ताजा फैसले के तहत दी जाने वाली अतिरिक्त 20 फीसदी एलपीजी प्राथमिकता वाले उद्योगों को दी जाएगी। इनमें, प्रक्रिया उद्योगों या उन उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिन्हें विशेष ताप उद्देश्यों के लिए एलपीजी की जरुरत होती है, क्योंकि इसके विकल्प के तौर पर कोई और गैस इस्तेमाल नहीं की जा सकती।

बाजार में जल्द एंट्री करेंगे आईईआईटी फोक्स्ड म्युचुअल फंड

एनएसई के डेडिकेटेड इंडेक्स लॉन्च से बढ़ी उम्मीद

नई दिल्ली,। इस महीने की शुरुआत में एनएसई के निफ्टी आईईआईटी और रियल्टी इंडेक्स के लॉन्च के साथ ही भारत में रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आईईआईटी) पर फोक्स्ड पहले म्युचुअल फंड स्कीम्स का रास्ता साफ हो गया है। कई फंड हाउस इस बेंचमार्क से जुड़े पैसिव प्रोडक्ट्स लाने पर विचार कर रहे हैं। उम्मीद है कि ऐसी पहली योजनाएं 2026 की दूसरी छमाही में लॉन्च होंगी, जब नियम फंड हाउस को आईईआईटी-आधारित प्रोडक्ट पेश करने की अनुमति देंगे।एसेट मैनेजमेंट कंपनियों के सीनियर अधिकारियों ने कहा कि वे नए लॉन्च किए गए इस इंडेक्स को ट्रैक करने वाले पैसिव फंड्स पर विचार कर रहे हैं। नवी एएमसी के सीईओ आदित्य मुल्की ने कहा कि हम अभी किसी तत्काल फाइलिंग पर टिप्पणी नहीं कर सकते, लेकिन इस इंडेक्स का गहराई से मूल्यांकन कर रहे हैं, क्योंकि यह रिटेल निवेशकों के लिए एसेट एलोकेशन के विकल्प बढ़ाने के हमारे उद्देश्य के अनुरूप है। डीएसपी इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स में पैसिव इन्वेस्टमेंट्स और प्रोडक्ट्स के हेड अनिल घेलानी ने कहा कि उनका फंड हाउस भी इस इंडेक्स का अध्ययन कर रहा है।यह कदम सेबी के उस फैसले के बाद उठाया गया है, जिसमें जनवरी 2026 में आईईआईटी को इक्विटी के रूप में वर्गीकृत किया गया। इससे 1 जुलाई से इन्हें इक्विटी इंडेक्स में शामिल करने की अनुमति मिल गई। पहले आईईआईटी को हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट माना जाता था, जिसके कारण इक्विटी स्कीम्स में उनकी हिस्सेदारी सीमित थी और एक्टिव फंड्स में इनका एक्सपोजर 10 फीसदी तक ही सीमित रखा जाता था। इस पुनर्वर्गीकरण और इंडेक्स में शामिल किए जाने से आईईआईटी में लिक्विडिटी बढ़ने, उनकी विजिबिलिटी मजबूत होने और म्युचुअल फंड्स की भागीदारी बढ़ने की उम्मीद है। निफ्टी आईईआईटी और रियल्टी इंडेक्स में आईईआईटी और रियल एस्टेट कंपनियों का मिक्स शामिल है। इसमें लिस्टेड पांच आईईआईटी का करीब 64 फीसदी हिस्सा है, जबकि बाकी हिस्सा रियल्टी स्टॉक्स का है, जिनमें डीएलएफ और फोनिक्स मिल्स जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। यह 15 शेयरों वाला इंडेक्स फ्री-फ्लोट मार्केट कैपिटलाइजेशन के आधार पर वेटेड है और किसी भी एक कंपनी का वेट 15 फीसदी से ज्यादा नहीं रखा गया है। पिछले एक साल में इसने 12.4 फीसदी का रिटर्न दिया है और करीब 3.3 फीसदी का डिविडेंड यील्ड भी प्रदान करता है।

ओएमओ से 3.5 लाख करोड़ रुपए के बॉन्ड की खरीद से घटेगा ट्रेजरी घाटा

स्विच ऑक्शन से भी बैंकों को मदद मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली,। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा इस तिमाही में अब तक खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) के जरिये 3.5 लाख करोड़ रुपए मूल्य के बॉन्ड की भारी भरकम खरीदारी से बैंकों के ट्रेजरी कारोबार से जुड़ा घाटा कम होने की उम्मीद है। इसके अलावा स्विच ऑक्शन से भी बैंकों को मदद मिलने की उम्मीद है। बॉन्ड यील्ड में उछाल बैंकों के ट्रेजरी कारोबार पर असर हुआ है। 10 साल की अवधि की सरकारी प्रतिभूतियों पर यील्ड जनवरी से अब तक 35 आधार बढ़ चुकी है। अकेले मार्च में इसमें 28 आधार अंक की बढ़ोतरी हुई। चालू तिमाही में 5 साल की अवधि के सरकारी बॉन्ड और 15 साल की अवधि के बॉन्ड पर यील्ड क्रमशः 34 आधार अंक और 32 आधार अंक तक बढ़ गई है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी बैंकों और कुछ बड़े निजी क्षेत्र के बैंकों को अभी भी कुछ मार्क-टू-मार्केट नुकसान का सामना करना पड़ सकता है लेकिन जिन बैंकों ने ओएमओ खरीद या स्विच ऑपरेशन में भाग लिया है वे इसे कम करने की बेहतर स्थिति में होंगे। एक बॉन्ड कारोबारी ने कहा कि नुकसान तो होगा ही क्योंकि मौजूदा यील्ड 2022 में देखे गए उच्चतम स्तर के करीब हैं जब आरबीआई ब्याज दरें बढ़ा रहा था, उनमें अधिकांश अब घाटे में होंगे। अधिकारी ने कहा कि अगर बैंकों ने आरबीआई द्वारा बॉन्ड खरीदने के दौरान मुनाफा कमाया होता तो शुद्ध आधार पर वे अभी भी घाटे में हो सकते थे लेकिन नुकसान कम किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि प्रभावी रूप से मार्क-टू-मार्केट नुकसान का एक बड़ा हिस्सा आरबीआई द्वारा वहन किया गया है। अगर ये ओएमओ नहीं हुए होते तो आज बाजार में भारी नुकसान होता। शुक्रवार को 10 साल की सरकारी बॉन्ड की यील्ड 6.94 फीसदी पर पहुंच गई। पिछले साल मार्च के अंत में 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर यील्ड 6.58 फीसदी थी। जानकारों का कहना है कि आरबीआई की तरफ से बॉन्ड खरीदारी ने नुकसान कम करने में अहम भूमिका निभाई है। अनुमान है कि केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष में करीब 9 लाख करोड़ रुपए मूल्य के बॉन्ड खरीदे हैं जिन पर यील्ड मौजूदा स्तरों से करीब 25 आधार अंक कम है। एक बॉन्ड कारोबारी ने कहा कि हाल में यील्ड में आई उछाल को देखते हुए कुछ बैंक खासकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और कुछ बड़े निजी बैंक इस तिमाही में बॉन्ड कारोबार में नुकसान उठा सकते हैं।

बाजार में पावरफुल और मजेदार टर्बो पेट्रोल एसयूवी के विकल्प मौजूद

नई दिल्ली।

यदि आप कम बजट में दमदार एसयूवी खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, तो बाजार में आपके पास कई विकल्प मौजूद हैं। इन गाड़ियों में टर्बो पेट्रोल इंजन मिलता है, जो कम इंजन क्षमता के बावजूद बेहतर पावर और स्मूद ड्राइविंग एक्सपीरियंस देता है। इस लिस्ट में टाटा मोटर्स, किआ, महिंद्रा एंड महिंद्रा के मॉडल के साथ-साथ नई रिनॉल्ट डस्टर भी शामिल है, जो एक बार फिर चर्चा में है। आज के ग्राहक सिर्फ माइलेज पर नहीं, बल्कि परफॉर्मेंस और ड्राइविंग अनुभव पर भी ध्यान देते हैं। टर्बो पेट्रोल इंजन वाली एसयूवी शहर और हाईवे दोनों पर मजेदार और रेस्पॉन्सिव ड्राइव देती हैं। स्कोडा कियाक कम बजट में एक शानदार विकल्प है। यह एमक्यूबी एओ इन प्लेटफॉर्म पर तैयार की गई है और इसमें 1.0 लीटर टीएसआई टर्बो पेट्रोल इंजन है, जो 118एचपी पावर और 178एनएम टॉर्क देता है। ट्रांसमिशन के लिए 6-स्पीड मैन्युअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक ऑप्शन उपलब्ध हैं। सुरक्षा के लिहाज से भी यह मजबूत है और इसे भारत एनकैप में 5-स्टार रेटिंग मिली है। कीमत लगभग 7.59 लाख से 12.99 लाख रुपये के बीच है। किआ सोनेट फीचर्स और परफॉर्मेंस का बेहतरीन बैलेंस देती है। इसमें 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन है, जो 118एचपी और 172एनएम टॉर्क जनरेट करता है। आईएमटी और डीसीटी ऑटोमैटिक जैसे एडवांस ट्रांसमिशन विकल्प इसमें उपलब्ध हैं। आरामदायक सस्पेंशन और अलग-अलग वेरिएंट्स इसे 15 लाख रुपये से कम बजट में आकर्षक बनाते हैं। नई रिनॉल्ट

डस्टर भारतीय बाजार में एक बार फिर वापसी कर रही है। इसमें टर्बो पेट्रोल इंजन का विकल्प और नया डिजाइन मिलेगा, जो इसे मौजूदा सेगमेंट में मजबूत प्रतिस्पर्धी बनाएगा।

एमआई विरुद्ध केकेआर : वानखेड़े में हाईवोल्टेज टक्कर

– आंकड़ों में मुंबई भारी लेकिन हालिया फॉर्म में कोलकाता आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के 19वें सीजन की शुरुआत के साथ ही रोमांच अपने चरम पर पहुंचने वाला है। टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला बेहद दिलचस्प रहने की उम्मीद है, जहां मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट रायडर आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला 29 मार्च को मुंबई के वानखेडे स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दोनों टीमें जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करना चाहेंगी।

मुंबई इंडियंस की कप्तानी हार्दिक पाण्ड्या के हाथों में है, जबकि कोलकाता नाइटराइडर्स की कमान अजिंक्य रहाणे संभाल रहे हैं। दोनों कप्तानों के लिए यह मुकाबला खास होगा, क्योंकि शुरुआती जीत टीम के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दे सकती है। अगर दोनों टीमों के हेड-टू-हेड रिकॉर्ड की बात करें तो यहां मुंबई इंडियंस का पलड़ा साफ तौर पर भारी नजर आता है। अब तक दोनों के बीच कुल 35 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें मुंबई ने 24 मैच जीते हैं, जबकि कोलकाता को सिर्फ 11 मैचों में जीत मिली है। शुरुआती सीजन में मुंबई ने लगातार दबदबा बनाए रखा और 2008-09 में सभी मुकाबले अपने नाम किए।

हालांकि, 2012 के बाद तस्वीर थोड़ी बदली। 2014 और 2015 में केकेआर ने मुंबई पर बढ़त बनाई और चार में से तीन मैच जीते। इसके बाद 2016 से 2018 तक मुंबई ने फिर से पूरी तरह वापसी करते हुए लगातार सात मुकाबले जीत लिए। लेकिन हालिया सीजनों पर नजर डालें तो कोलकाता ने बेहतर प्रदर्शन किया है। पिछले चार सीजन में दोनों टीमों के बीच खेले गए छह मुकाबलों में से चार में केकेआर ने जीत दर्ज की है, जो उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है। खिताब की बात करें तो मुंबई इंडियंस अब तक पांच बार आईपीएल ट्रॉफी जीत चुकी है और छठे खिताब की तलाश में है। टीम ने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में खिताब अपने नाम किए थे। वहीं, कोलकाता नाइटराइडर्स तीन बार (2012, 2014 और 2024) चैंपियन बन चुकी है और इस सीजन में अपने प्रदर्शन को और मजबूत करना चाहेगी।

कुल मिलाकर यह मुकाबला आंकड़ों और मौजूदा फॉर्म के बीच दिलचस्प जंग होने वाला है। जहां एक ओर इतिहास मुंबई के पक्ष में है, वहीं हालिया प्रदर्शन के आधार पर कोलकाता को हल्के में नहीं आंका जा सकता। क्रिकेट फैंस के लिए यह मैच एक रोमांचक शुरुआत का वादा करता है।

मुंबई इंडियंस की टीम

रॉबिन मिंज, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, रयान रिकेल्टन, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या (कप्तान), राज बावा, विल जैक्स, कॉर्बिन बॉश, मिशेल सैंटनर, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, अश्वनी कुमार, जसप्रित बुमरा, दीपक चाहर, मयंक मारकंडे, शार्दुल ठाकुर, क्विंटन डी कॉक, एएम गजनफर, रघु शर्मा, मयंक रावत, दानिश मालेवार, अथर्व अंकोलेकर, मोहम्मद सलाउद्दीन इजहार.

कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम

अजिंक्य रहाणे, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, हर्षित राणा, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती, कैमरून ग्रीन, फिन एलन, मथीशा पथिराना, कार्तिक त्यागी, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, तेजस्वी दहिया, सार्थक रंजन, रचिन रवींद्र, आकाश दीप, प्रशांत सोलंकी, दक्ष कामरा.

मियामी ओपन 2026: यानिक सिनर ने ज्वेरेव को हराकर फाइनल में बनाई जगह, लेहेका से होगी भिड़ंत

मियामी (एजेंसी)। मियामी ओपन 2026 में दुनिया के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी इटली के यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर फाइनल में जगह बना ली है। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना चेक गणराज्य के जिरी लेहेका से होगा।

24 वर्षीय सिनर ने सेमीफाइनल में ज्वेरेव को 6-3, 7-6 (7/4) से हराया। यह ज्वेरेव के खिलाफ उनकी लगातार सातवीं जीत रही। इसके साथ ही सिनर ने मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार जीते गए सेट्स की संख्या 32 तक पहुंचा दी।

विंबलडन चैंपियन सिनर इससे पहले इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में भी ज्वेरेव को हरा चुके हैं और अब वह तीन साल में अपना दूसरा मियामी ओपन खिताब जीतने के करीब हैं। वह 2017 में रोजर फेडरर के बाद 'सनशाइन डबल' (इंडियन वेल्स और मियामी दोनों खिताब) हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं।

दूसरी ओर, 21वीं वरीयता प्राप्त लेहेका ने फ्रांस के आर्थर फिल्स को एकतरफा मुकाबले में 6-2, 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। लेहेका ने पूरे टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है और यह उनका पहला एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल होगा।

हालांकि, लेहेका का रिकॉर्ड सिनर के खिलाफ अच्छा नहीं रहा है। दोनों के बीच अब तक खेले गए तीनों मुकाबलों में सिनर ने जीत दर्ज की है और लेहेका एक भी सेट नहीं जीत सके हैं।

Also Read - देवरिया पुलिस ने 119 वाहनों का किया ई-चालान

महिला वर्ग में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका भी 'सनशाइन डबल' पूरा करने की कोशिश में हैं। वह फाइनल में अमेरिका की कोको गॉफ के खिलाफ अपने खिताब का बचाव करेंगी।

लेहेका ने मैच के बाद कहा कि वह इस प्रदर्शन से बेहद खुश हैं और पूरे सीजन की मेहनत का नतीजा अब देखने को मिल रहा है। वह अपने करियर के तीसरे एटीपी खिताब की तलाश में हैं।

यह फाइनल मुकाबला काफी रोमांचक होने की उम्मीद है, जहां अनुभवी और शानदार फॉर्म में चल रहे सिनर का सामना युवा और आत्मविश्वास से भरे लेहेका से होगा।

धोनी आईपीएल के शुरुआती मैचों से बाहर हुए

चेन्नई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों से बाहर हो गये हैं। धोनी के बाहर होने से टूर्नामेंट शुरु होने से पहले ही सीएसके की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। इसका कारण है कि धोनी टीम का हौंसला बढ़ाने के साथ ही उसे मार्गदर्शन भी देते रहे हैं। वह पिंडली में आये खिंचाव के कारण अभी रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में उनका शुरुआत से खेलना संभव नहीं है। सीएसके का मैच 30 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स से होगा। इसमें टीम को उनकी कमी खलेगी।

धोनी के बाहर होने से साफ है कि अब सैमसन उनकी जगह पर विकेटकीपर रहेंगे। सीएसके अपना पहला मुकाबला सोमवार को राजस्थान रॉयल्स ये खेलेगी। उसे पहले दो सप्ताह में पंजाब किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स से भी खेलना है। धोनी के नहीं होने से विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अब विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभालेंगे।

इस सत्र से पहले सैमसन को सीएसके ने ट्रेड डील के जरिये हासिल किया था। अब वह कप्तान रितुराज गायकवाड़ के साथ पारी की शुरुआत भी करेंगे। धोनी ने पिछले साल सभी मैच खेले थे हालांकि वह घुटने की परेशानी क कारण निचले क्रम पर उतरे थे। ऐसे मे उन्हें काफी कम गेंदें खेलने को मिलती है।

धोनी के अलावा सीएसके को तेज गेंदबाज नाथन एलिस की कमी भी खलेगी। उनकी जगह स्पेंसर जॉनसन को शामिल किया है। पिछले साल सीएसके का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और वह सबसे निचले स्तर पर रही थी। अब देखना है कि इस बार सीएसके क्या करती है।

अपनी पत्नियों के कारण खिलाड़ी लेते हैं संन्यास.., योगराज सिंह का विवादित बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह अक्सर अपने अजीबो-गरीब बयानों के कारण सुर्खियों में रहते हैं। इसी कड़ी में उन्होंने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। उन्होंने ये बयान खिलाड़ियों की पत्नियों को लेकर दिया है जिससे वो आलोचकों के निशाने पर आ गए हैं। योगराज ने साफ कहा कि उम्र को खिलाड़ी के प्रदर्शन से जोड़ना गलत है। उनके मुताबिक फिटनेस और प्रदर्शन ही किसी खिलाड़ी के करियर का असली पैमाना होना चाहिए, ना कि उम्र।

इनसाइड स्पोर्ट्स को दिए इंटरव्यू में योगराज सिंह ने कहा कि, भारत में लोग 40 की उम्र के बाद खुद को बूढ़ा मानने लगते हैं, महिलाएं 30 के बाद कहती हैं कि अब हम फिट नहीं रह सकते, बच्चे बड़े हो गए हैं। लेकिन खेल को उम्र से जोड़ना बिल्कुल गलत है।

योगराज सिंह ने कहा कि, अक्सर घर की महिलाएं, पत्नियां आपको समझाने लगती हैं कि अब रिटायर हो जाओ, परिवार और बच्चों पर ध्यान दो। मेरा मानना है कि महिलाओं को खिलाड़ी और उसके करियर के बीच नहीं आना चाहिए। एक खिलाड़ी और एक फकीर का कोई धर्म या वर्ग नहीं होता, वे भगवान के होते हैं। जब तक वे जिंदा हैं बहुत कुछ कर सकते हैं।

वहीं योगराज सिंह ने विराट कोहली और रोहित शर्मा पर निशाना साधते हुए साफ कहा है कि खिलाड़ियों को उम्र नहीं, बल्कि अपने प्रदर्शन से जवाब देना चाहिए। योगराज ने अपने बेबाक अंदाज में कहा कि, रोहित शर्मा और विराट कोहली अभी युवा खिलाड़ी हैं और रिटायर होने की सोच रहे हैं। लानत है ऐसी जिंदगी पर दुनिया को दिखाओ की तुम सबसे बेहतरीन हो, तुम अपरिहार्य हो।

बांग्लादेश की नई सरकार ने आईपीएल प्रसारण पर रोक हटाई

ढाका। बांग्लादेश की नई सरकार ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के प्रसारण पर लगी रोक हटा दी है। इससे पहले की यूनुस सरकार ने ये रोक लगायी थी। एक रिपोर्ट के अनुसार नये सूचना और प्रसारण मंत्री जहीर उद्दीन स्वपन ने कहा है कि बांग्लादेश में आगामी आईपीएल सत्र के प्रसारण पर कोई रोक नहीं है। जहीर उद्दीन स्वपन ने कहा, आईपीएल प्रसारण के लिए हालांकि अभी तक किसी ने भी हमसे आवेदन नहीं किया है। हम खेल में राजनीति को नहीं मिलाना चाहते। ऐसे में अगर कोई चैनल आईपीएल के प्रसारण के लिए हमसे आवेदन करता है, तो हम उस पर विचार करेंगे। वहीं इससे पहले, युवा और खेल मामलों के राज्य मंत्री अमीनुल हक ने कहा था कि वह पिछली अंतरिम सरकार की ओर से आईपीएल प्रसारण पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद अधिकारियों से बात करेंगे।प्रसारण मंत्री ने कहा कि हम किसी को भी इसके प्रसारण से नहीं रोकेंगे। अगर स्टार स्पोर्ट्स इसका प्रसारण करना चाहता है, तो वह कर सकता है। अगर हमारे चैनलों में से कोई इसका प्रसारण करना चाहता है, तो हम किसी को नहीं रोकेंगे। बांग्लादेश के केबल ऑपरेटर्स एसोसिएशन के कार्यालय सचिव, रेजाउल करीम लबलू का कहना है कि वे स्टार स्पोर्ट्स को आईपीएल का प्रसारण करने से नहीं रोकेंगे, हालांकि इस संबंध में सरकार की ओर से कोई निर्देश नहीं मिला है।

आईपीएल में अब कमेंटर की भूमिका निभा रहे अश्विन

मुम्बई। दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में अब कमेंट्री कर रहे हैं। अश्विन इस नई भूमिका में अपनी रणनीतिक समझ और विश्लेषण से दर्शकों पर कितना प्रभाव बनाते हैं ये देखना होगा। अश्विन का कमेंट्री के आने को एक अहम बदलाव माना जा रहा है। इससे साफ है कि अब कमेंट्री में मनोरंजन के साथ ही डेटा, मैच की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा होगी। गौरतलब है कि अश्विन ने अब तक आईपीएल में 221 मैच खेलकर 187 विकेट लिए हैं, ऐसे में उनका अनुभव कमेंट्री में भी नजर आयेगा। इस बार कमेंट्री पैनल काफी बड़ा रहेगा। वीरेंद्र सहवाग, एबी डिविलियर्स, इरफान पठान, सुरेश रैना, हरभजन सिंह, फाफ डु प्लेसिस और अनिल कुंबले जैसे दिग्गज भी इस पैनल में शामिल हैं। इसके अलावा रवि शास्त्री, सुनील गावस्कर, केविन पीटरसन और इयोन मोर्गन भी अपने अलग अंदाज में रहेंगे। इस बार 12 भाषाओं में 160 से ज्यादा कमेंटेटर दर्शकों पतक मैच का विवरण पहुंचाएंगे। अश्विन आईपीएल के सबसे सफल गेंदबाजों में रहे हैं। उन्होंने 221 मैचों में 187 विकेट लिए और चेन्नई सुपर किंग्स के साथ 2010 और 2011 में ट्रॉफी जीती थी।

विराट के अलावा आरसीबी से सबसे अधिक मैच खेलने वालों में दो विदेशी भी शामिल

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अब विराट कोहली ने आरसीबी की ओर से सबसे अधिक मैच खेले हैं। कोहली ने साल 2023 तक आरसीबी की कप्तानी करन के साथ ही कुल 143 मैच खेले। विराट के अलावा जिन खिलाड़ियों ने आरसीबी की ओर से सबसे अधिक मैच खेले है उनमें दो विदेशी खिलाड़ी फाफ डु प्लेसिस और डेनियल विटोरी भी शामिल हैं।

फाफ डु प्लेसिस : साल 2022 से 2024 के बीच डु प्लेसिस ने 42 मुकाबलों में आरसीबी की कप्तानी करते हुए 21 जीते और इतने ही मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। गंवाए।

डेनियल विटोरी : न्यूजीलैंड के इस दिग्गज खिलाड़ी ने साल 2011 से 2022 के बीच कुल 22 मुकाबलों में आरसीबी की कप्तानी की। इस दौरान 12 मैच जिताए और 10 मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा।

अनिल कुंबले : दिग्गज स्पिनर ने साल 2009 से 2010 के बीच 26 मुकाबलों में आरसीबी की कमान संभाली। इस दौरान टीम ने 15 मैच जीते, जबकि 11 मुकाबलों को गंवा दिया।

राहुल द्रविड़ : यह खिलाड़ी आईपीएल इतिहास में आरसीबी का पहला कप्तान रहा, जिन्होंने सिर्फ साल 2008 में इस टीम की कमान संभाली। इस दौरान 14 में से सिर्फ 4 ही मैच टीम को जिता सके। 10 मुकाबलों में टीम को हार झेलनी पड़ी।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 103 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

सेंट किट्स (एजेंसी)। सेंट किट्स के बासेटेरे में शुक्रवार रात खेले गए पहले वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने दमदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को 103 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। नई कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स के नेतृत्व में टीम ने शानदार जीत दर्ज की।

पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 341 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। टीम की शुरुआत मजबूत रही और ओपनिंग जोड़ी ने 75 रन जोड़े। जॉर्जिया वोल ने 32 गेंदों में 42 रन बनाए, जबकि फोएबे लिचफील्ड ने 72 गेंदों पर 77 रनों की अहम पारी खेली। एलिस पेरी ने 46 गेंदों में 44 रन बनाकर टीम को मजबूती दी।

मध्यक्रम में कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स ने 47 रन बनाए और निकोला कैरी (49) के साथ 91 रनों की साझेदारी की। अंत में जॉर्जिया वेयरहैम ने 42 रन बनाकर टीम को 300 के पार पहुंचाया। वेस्टइंडीज की ओर से अफी फ्लेचर ने 3 विकेट लिए, लेकिन काफी महंगे साबित हुईं।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही और टीम ने जल्दी विकेट गंवा दिए, जिसमें कप्तान हेले मैथ्यूज का विकेट भी शामिल था। अनुभवी बल्लेबाज स्टेफनी टेलर ने शानदार नाबाद 105 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की, जो उनका 2021 के बाद पहला वनडे शतक था, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। चिनेल हेनरी ने 38 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से किम गर्थ ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके, जबकि एश्ले गार्डनर ने भी अहम योगदान दिया। अंततः वेस्टइंडीज की टीम 238/8 तक ही पहुंच सकी और मुकाबला गंवा बैठी।

टाइगर वुड्स नशे में गाड़ी चलाने के बाद गिरफ्तार, आठ घंटे बाद हुए रिहा

न्यूयॉर्क। विश्व के शीर्ष गोल्फरों में शामिल रहे अमेरिका के टाइगर वुड्स को नशे में गाड़ी चलाने के कारण गिरफ्तार किया गया है हालांकि उन्हें आठ घंटे के बाद जमानत पर रिहा भी कर दिया गया। वुड्स पर आरोप है कि नशे की हालत में गाड़ी चलाते हुए उनकी कार फ्लोरिडा में अपने घर के करीब ही पलट गयी थी। उन्हें गिरफ्तार किये जाने के कुछ ही समय के बाद फ्लोरिडा की एक जेल से रिहा कर दिया गया। वहीं रिपोर्ट्स के अनुसार फ्लोरिडा के कानून के अनुसार, वुड्स को कम से कम आठ घंटे जेल में बिताने पड़े। शुरुआती रिपोर्ट्स में मार्टिन काउंटी पुलिस के हवाले से कहा गया है कि जब वुड्स दोपहर करीब 2 बजे एक फ्लैटबेड ट्रक को तेजी से ओवरटेक करने की कोशिश कर रहे थे, तब उनकी लैंड रोवर कार पलट गई। उस समय नशे में थे। उन्होंने पुलिस से जांच में सहयोगी भी नहीं किया और यूरीन जांच के लिए तैयार नहीं हुए। गिरफ्तारी के बाद वुड्स नशे में दिखे। मार्टिन काउंटी पुलिस ने शाम को वुड्स की एक गिरफ्तारी के समय ली गई तस्वीर जारी की, जिसमें उनकी आंखें लाल दिखाई दे रही थीं। उन्हें फ्लोरिडा की मार्टिन काउंटी जेल ले जाया गया था। मार्टिन काउंटी के शेरिफ जॉन बुडेसिएक ने कहा वुड्स एक लैंड रोवर चला रहे थे। घर के पास एक सड़क पर एक ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश में उनकी गाड़ी पलट गई। गाड़ी एक ट्रेलर से टकराई, सड़क से हट गई, और सड़क पर कुछ दूर घिसटने के बाद पलट गई। वुड्स पर पहले भी सड़क पर लापरवाही से गाड़ी चलाने के मामले दर्ज हैं हैं। इससे पहले फरवरी 2021 में उनका एसयूवी लॉस एंजिलिस की एक तटीय सड़क पर तेज रफ्तार में नियंत्रण से बाहर होकर सड़क से उतर गया था, जिसमें वह घायल भी हो गये थे।

बैडमिंटन और मैं तुम्हें बहुत याद करेंगे: पीवी सिंधु

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने अपनी लंबे समय की प्रतिद्वंद्वी कैरोलिना मारिन को बैडमिंटन से संन्यास लेने के बाद एक भावुक संदेश में कहा कि बैडमिंटन और मैं तुम्हें बहुत याद करेंगे।

रियो 2016 की स्वर्ण पदक विजेता और तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन कैरोलिना मारिन ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज के जरिए अपने संन्यास की घोषणा की।

पीवी सिंधु ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया मंच इंटस्टग्राम पर स्पेन की कैरोलिना मारिन के संन्यास की घोषणा को लेकर कहा, 'कुछ प्रतिद्वंद्वी हमेशा के लिए आपकी यात्रा का हिस्सा बन जाते हैं। कैरोलिना उनमें से एक थीं। हम पहली बार एक-दूसरे के खिलाफ तब खेले थे जब हम मालदीव में 15 या 16 साल की लड़कियां थीं, और तब से हमने एक साथ कई मुकाबले खेले।'

उन्होंने कहा, 'सच कहूँ तो, कोर्ट पर तुम सचमुच बहुत परेशान करने वाली थीं। लगातार चिल्लना, तुम्हारी आक्रामकता, तुम्हारी छोटी-छोटी चालें–ये सब किसी को भी परेशान कर सकती थीं। लेकिन तुम्हारा कौशल, तुम्हारी गति और तुम्हारी लड़ने की भावना बेजोड़ थी। लोग बड़े-बड़े मुकाबलों को याद करते हैं, और उस तीसरे सेट में शटल उठाने को लेकर हमारे बीच हुई उस तीखी बहस को भी। मैं मानती हूं कि उस दिन मैं पूरी तरह से गुस्से में थी। लेकिन कुछ महीनों बाद, हम मैड्रिड में कॉफी पीते हुए एक-दूसरे के सामने बैठे थे बातें कर रहे थे, हँस रहे थे और उस पल हमारे बीच सिर्फ एक-दूसरे के लिए सम्मान था। यही है कैरोलिना, जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी।'

सिंधु ने लिखा, 'मैं हमारी पीढ़ी के बीच बनी उस अद्भुत दोस्ती के लिए भी हमेशा आभारी रहूँगी। हमारी लड़कियों के बैच ने 'विमेंस सिंगल्स' को मुकाबले के लिए एक बहुत ही खास जगह बना दिया था; सच कहूँ तो, मुझे नहीं पता कि बैडमिंटन के इतिहास में ऐसा पहले कभी हुआ है या भविष्य में कभी होगा। हर मुकाबले के लिए, हर सीख के लिए, और सबसे बढ़कर–हमारी दोस्ती के लिए–तुम्हारा शुक्रिया। मैं तुम्हारे संन्यास के बाद के जीवन के लिए ढेर सारी खुशियों की कामना करती हूं, कैरोलिना।'

नवनीत कौर ने प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड मिलने पर जताई खुशी, टीम को किया समर्पित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम की स्टार फॉरवर्ड नवनीत कौर ने हॉकी इंडिया आठवें वार्षिक अवॉर्ड्स 2025 में 'प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला)' का प्रतिष्ठित सम्मान मिलने पर खुशी जाहिर की। उन्हें यह सम्मान हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड के तहत प्रदान किया गया।

नवनीत कौर के लिए बीता साल बेहद शानदार रहा, जहां उन्होंने भारतीय टीम के लिए लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया। हैदराबाद में आयोजित एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप क्वालीफायर में उन्होंने अहम भूमिका निभाते हुए भारत को रजत पदक दिलाने में योगदान दिया। इस टूर्नामेंट में उन्होंने चार गोल किए और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' भी चुनी गईं।

इसके अलावा महिला एशिया कप 2025 में भी नवनीत का प्रदर्शन दमदार रहा, जहां भारत ने रजत पदक जीता। इस प्रतियोगिता में उन्होंने छह गोल दागे। इसी दौरान उन्होंने अपने करियर का एक बड़ा मुकाम हासिल करते हुए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच भी पूरे किए।

पुरस्कार मिलने के बाद नवनीत कौर ने कहा, 'इस सम्मान को पाकर मैं बेहद गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। यह उपलब्धि मेरी टीम के साथियों के सहयोग और विश्वास के बिना संभव नहीं थी। मैं हॉकी इंडिया का भी धन्यवाद करना चाहती हूं, जो हर साल इस तरह का मंच उपलब्ध कराता है, जिससे खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलती है।'

आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स को लेकर उन्होंने कहा, 'आने वाला समय काफी व्यस्त रहने वाला है। नेशंस कप, वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स जैसे बड़े टूर्नामेंट हमारे सामने हैं। हमारा कैंप जल्द शुरू होगा और हम अपनी कमजोरियों पर काम कर टीम के प्रदर्शन को और बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे।'

अपने व्यक्तिगत लक्ष्य को लेकर नवनीत ने कहा, 'मैं अपने खेल में लगातार सुधार करना चाहती हूं। अभी तक के प्रदर्शन से संतुष्ट हूं, लेकिन आगे और बेहतर करने की गुंजाइश है। बड़े टूर्नामेंट चार साल में एक बार आते हैं, इसलिए मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।'

आगामी बड़े टूर्नामेंट्स को देखते हुए नवनीत कौर पूरी तरह फोकस्ड हैं और भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता दिलाने के लिए प्रतिबद्ध नजर आ रही हैं।

फीफा के टूर्नामेंटों में हिस्सा लेने वाली टीमों को महिला कोच रखना होगा अनिवार्य : फीफा

ज्यूरिख (स्विट्जरलैंड)। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में महिला कोचों की संख्या में वृद्धि को लेकर फीफा ने कुछ नए नियम घोषित किये है। इसके तहत अब फीफा के टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली हर टीम को कम से कम एक महिला मुख्य या सहायक कोच रखना अनिवार्य होगा। हाल ही में हुई एक काउंसिल मीटिंग के बाद फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) ने कुछ नए नियम घोषित किए है। इन नियमों का मकसद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में महिला कोचों की संख्या को बढ़ाना है। नए नियमों के अनुसार फीफा के टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेने वाली हर टीम के लिए यह जरूरी होगा कि उसके पास कम से कम एक महिला हेड कोच या असिस्टेंट कोच हो। इसके अलावा, टीम के साथ बेंच पर एक और महिला स्टाफ सदस्य का होना भी जरूरी होगा। फीफा की मुख्य फुटबॉल अधिकारी जिल एलिस ने कहा, 'आज कोचिंग के क्षेत्र में महिलाओं की संख्या काफी कम है। हमें इस बदलाव की रफ्तार तेज करने के लिए और अधिक कोशिशें करनी होंगी। हमें महिलाओं के लिए कोचिंग के साफ रास्ते बनाने होंगे, उनके लिए अधिक मौके पैदा करने होंगे, और उन्हें खेल के मैदान के किनारे (साइडलाइन) पर ज्यादा से ज्यादा पहचान दिलानी होगी। फीफा के ये नए नियम और इनके साथ चलाए जा रहे खास डेवलपमेंट प्रोग्राम, महिला कोचों की आज की और आने वाली पीढ़ियों में एक बड़ा निवेश साबित होंगे।'

चॉकलेट खाएं, मगर...

सॉलिड कोको चॉकलेट में ट्रीप्टोफेन रसायन होता है जो हमारे शरीर में सेरोटिन बनाने का काम करता है। दरअसल यह एक न्यूरोकेमिकल है, जो खुशी की अनुभूति को बढ़ाता है। रोमांटिक मूड को बनाए रखने के लिए चॉकलेट को कमरे के तापमान पर ही खाया जाना चाहिए। चॉकलेट खाएं पर यह भी ध्यान रखें कि अति हर चीज की बुरी कि अति हर चीज की बुरी होती है...

चॉकलेट का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है। किसी भी उम्र या हैसियत के लोग हों, चॉकलेट के स्वाद से अनजान नहीं हैं। बच्चे अभिभावकों से जिद करके चॉकलेट पाते हैं तो बड़े बच्चों से छिप कर चॉकलेट खाते हैं। इस की वजह है चॉकलेट का बेमिसाल स्वाद और इसके सेवन से होने वाले नुकसान का बेमेल संगम।

पर चॉकलेट खाने के सिर्फ नुकसान ही नहीं हैं, कई फायदे भी होते हैं। चॉकलेट लवर्स के लिए यह एक खुशखबरी होगी। इससे रूबरू कराने के प्रयास में पेश है एक कोशिश।

चॉकलेट का बोटेनिकल नाम 'थेयोब्रोमा काकाओ' है। चॉकलेट का आविष्कार 18वीं सदी में हुआ। इसे कोको बींस से तैयार किया जाता है। कोको बींस में कई तरह के फ्लेवेनोल और पोलीफेनोल होते हैं, जो हाई ब्लडप्रेशर विनाशक और ह्रदय के लिए लाभप्रद माने जाते हैं। पोलीफेनोल के एंटीआक्सीडेंट्स हमारे शरीर में एजिंग की प्रक्रिया को धीमा करते हैं। कोको डार्क चॉकलेट में ज्यादा मात्रा में होते हैं यानी जितना ज्यादा डार्क चॉकलेट उतने ज्यादा जवान और स्वस्थ रहने के आसार।

मिल्क चॉकलेट और वाइट चॉकलेट की गुणवत्ता भी कम नहीं है। मिल्क चॉकलेट में विटामिन बी-1, बी-2, ई और मैग्नीशियम, फास्फोरस, जिंक व कॉपर पाया जाता है। मिल्क चॉकलेट की एक रेगुलर साइज बार लेने से शरीर की रोज की 12 प्रतिशत कैल्सियम की जरूरत को पूरा किया जा सकता है। साथ ही हर रोज के आयरन की कुल आवश्यकता में से 12 प्रतिशत की पूर्ति की जा सकती है। नौटिंगम यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में यह बताया गया है कि चॉकलेट खाने से दिमाग तेज होता है। अधिक मात्रा में कोको वाले चॉकलेट खाने या चॉकलेट ड्रिंक पीने से रक्त का संचार दिमाग के खास जरूरी हिस्से में बढ़ जाता है, जिससे व्यक्ति के सतर्कता के गुण में इजाफा होता है।

चॉकलेट में करीब 300 प्राकृतिक कंपाउंड होता है, जो दिमागी प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलने में मदद करता है और मस्तिष्क पर कम दबाव महसूस होता है। इसलिए तनावग्रस्त होने पर चॉकलेट खाने से राहत महसूस होती है। यह मानव व्यवहार को भी प्रभावित करता है।

चॉकलेट में ट्रीप्टोफेन नामक एक रसायन होता है, जो मनुष्य के शरीर में सेरोटिन बनाने का काम करता है। सेरोटिन एक न्यूरोकेमिकल है जो खुशी के एहसास, रोमांटिक मूड और कामोत्तेजना को बढ़ाता है। इन फायदों के लिए चॉकलेट को कमरे के तापमान पर रख कर ही खाएं साथ ही यह ध्यान रहे कि ये सारे गुण चबाने वाले, क्रीमी परत इत्यादि चॉकलेट में नहीं पाए जाते हैं। ये सिर्फ सौलिड कोको चॉकलेट में होते हैं।

अलग-अलग स्वाद की खासीयत वाले विभिन्न ब्रांड्स के चॉकलेट बाजार में उपलब्ध हैं। इन में कैडबरी, अमूल, नेस्ले इत्यादि के चॉकलेट हैं। चॉकलेट से कई तरह के लजीज व्यंजन और ड्रिंक भी बनाए जा सकते हैं जैसे चॉकलेट शेक, पेस्ट्री, केक, पैनकेक इत्यादि। चॉकलेट के इतने सारे फायदे जान कर कोई भी व्यक्ति सोच सकता है कि चॉकलेट खूब खाने चाहिए। पर जरा ठहरिए, किसी भी चीज की अति हानिकारक होती है। चॉकलेट का अत्यधिक सेवन शरीर में फैट, शुगर, कैलोरी बढ़ाता है और मोटापा और अन्य परेशानियों को भी बढ़ावा देता है। इसलिए चॉकलेट खाएं शौक से पर जरा संभल कर।

धूप बढ़ाए आंख की रोशनी

ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों की मानें तो रोजाना धूप में कुछ देर बैठने से बच्चों को 'मायोपिया' नाम की बीमारी से बचाया जा सकता है। इस बीमारी से पीड़ित बच्चों की दूर की नजर कमजोर होती है। सर्च काउंसिल ऑफ ऑस्ट्रेलिया के ताजा अध्ययन ने सूरज की रोशनी का एक और फायदा साबित किया है। इस हालिया अध्ययन से पता चला है कि जो बच्चे 'मायोपिया' नाम की बीमारी से पीड़ित होते हैं, उनके लिए रोजाना करीब दो घंटे धूप में बैठना फायदेमंद होता है। अध्ययन के लिए मायोपिया से पीड़ित 60 बच्चों को दो ग्रुप में बांटकर नियमित रूप से रोजाना अलग-अलग समयावधि में धूप में बैठने को कहा गया। करीब दो महीने बाद जब उनकी दृष्टिक्षमता की जांच की गई तो उन बच्चों की स्थिति बेहतर पाई गई, जो ज्यादा लंबे समय तक धूप में बैठे। इस अध्ययन दल के प्रमुख इयान मोर्गन ने बताया मायोपिया से पीड़ित बच्चों के लिए ये इलाज बहुत प्राकृतिक और अच्छा है।

हेल्थ प्लस

अंडा रोके ब्लड प्रेशर!

रोजाना एक अण्डा खाना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। शोध के मुताबिक दिन की शुरुआत अण्डा खाकर करने से ब्लड प्रेशर को नियंत्रित किया जा सकता है। वैज्ञानिकों ने एक शोध में कहा है कि अण्डे में एक ऐसा प्रोटीन होता है जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल में ली जाने वाली एक दवाई का काम करता है। हालांकि पहले एक रिपोर्ट आई थी जिसमें कहा गया था कि अण्डा खाने से दिल का दौरा पड़ सकता है। लेकिन, इस शोध से साबित होता है कि अण्डा दिल के लिए ही नहीं, बल्कि ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रण में रखने के लिए फायदेमंद होता है।

दम है तो आलू है

आयुर्वेद के अनुसार आलू ठंडा, मधुर, रूक्ष, पचने में भारी, मल को गाढ़ा करने वाला तथा काया में आलस्य उत्पन्न करने वाला है। यह शक्तिवर्द्धक, रक्तपित्त शामक, मल-मूत्र निस्सारक एवं दुग्धवर्द्धक है। स्पेन के शोधकर्ताओं की एक नई खोजके अनुसार जो व्यक्ति आलू खाते हैं, उनकी व्याधियों से मुकाबला करने की सामर्थ्य बढ़ जाती है। आलू में विटामिन सी, बी कॉम्प्लेक्स तथा आयरन [लौह तत्त्व], कैल्शियम, मैंगनीज, फास्फोरस सरीखे तत्त्व होते हैं। आलू के प्रति 100 ग्राम में 1.6 प्रतिशत प्रोटीन, 22.6 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट, 0.1 प्रतिशत वसा, 0.4 प्रतिशत खनिज और 97 प्रतिशत कैलोरी ऊर्जा पाई जाती है। यदि आलू को शीतल करके या सलाद की भांति सेवन किया जाए, तो इसमें ज्यादा फायदा होता है। आलू को सदाबहार सब्जी का दर्जा ही नहीं प्राप्त है, अपितु आलू में तमाम विलक्षण औषधीय गुण भी समाहित हैं।

आलू के औषधीय गुण

- आलू के इस्तेमाल से रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है।
- जलने पर कच्चा आलू कुचलकर जले भाग पर तुरंत लगा देने से आराम मिल जाता है।
- अम्लपित्त से राहत पानी है, तो कच्चे आलू का रस प्रतिदिन पीना चाहिए।
- चेहरे के धब्बों को मिटाने के लिए आलू के रस में नीबू रस की कुछ बूंदें मिलाकर लगाने से धब्बे हल्के हो जाते हैं।
- स्तनपान कराने वाली माताओं को आलू का सेवन अवश्य करना चाहिए। आलू मां के दूध को बढ़ाने वाला होता है।
- आलू के टुकड़ों को गर्दन, कुहनियों आदि सख्त स्थानों पर रगड़ने से वहां की त्वचा साफ एवं कोमल हो जाती है।
- आलू भूनकर नमक के साथ खाने से काया में चर्बी की मात्रा में कमी होती है।
- झाइयों तथा झुर्रियों से छुटकारा पाने के लिए आलू के रस में मुल्तानी मिट्टी मिलाकर झाइयों और झुर्रियों पर लगाएं। बीस मिनट बाद चेहरा पानी से साफ कर लें।

मेरूदण्ड के लिए उपयोगी आसन

मेरूदंड के घुमावदार आसनों के नियमित अभ्यास से मेरूदंड संबंधी विविध रोग ठीक हो जाते हैं। मेरूदंड का नाड़ी संस्थान से गहरा संबंध होता है। हमारी सारी संवेदनाओं का आदान-प्रदान नाड़ी संस्थान के माध्यम से होता है। सीधी कमर न बैठने, वजन उठाने, झुक कर चलने अथवा अन्य किसी कारण से मेरूदंड में खिंचाव आ जाने से मेरूदंड बराबर कार्य नहीं करता। सरवाइकल स्पोंडीलाइसिस, साइटिका, स्लिप डिस्क, घुटनों और जोड़ों में दर्द आदि रोगों का कारण मेरूदंड की खराबी ही होती है।

मेरूदंड की क्षमता

रोगी को पीठ के बल सीधा पालकी आसन में लेटा दें तथा उनकी दोनों हथेलियों की अंगुलियों को आपस में फंसाकर गर्दन के नीचे लगवा दें। अब रोगी को कमर के बल बिना कोई सहारा लिए बैठने को कहें। यदि इस स्थिति में रोगी बैठ सकता है, तो उसका मेरूदंड अच्छा होता है और ऐसी स्थिति में रीढ़ का रोग ज्यादा पुराना नहीं होता। यदि इस ढंग से रोगी न उठ सके तो मेरूदंड की कार्य क्षमता लगभग दस प्रतिशत कम हो जाती है। दूसरी स्थिति में पैरों को सीधा करके हथेलियों को पहले की भांति गर्दन के नीचे रखते हुए रोगी को बिना सहारा दिए बैठने को कहें। यदि रोगी इस स्थिति में भी न उठ सके तो मेरूदंड की क्षमता लगभग 15 से 20 प्रतिशत कम हो जाती है।

तीसरी स्थिति में दोनों हाथों को जमीन से स्पर्श करते हुए सिर से ऊपर पूरा ले जाते हुए रोगी को पीठ के बल लेटने को कहें। यदि इस स्थिति में भी बिना सहारा रोगी न बैठ सकता हो, तो मेरूदंड की क्षमता 20 से 30 प्रतिशत के लगभग कम हो जाती है। जितना अधिक असंतुलन होगा, रोग उतना ही पुराना और संक्रामक होगा और उपचार में समय भी उसके अनुपात में अधिक लगेगा।

मेरूदंड के घुमावदार व्यायाम

मेरूदंड के घुमावदार आसनों से रीढ़ के मणोकं में आया तनाव, खिंचाव और विकृति सरलतापूर्वक दूर की जा सकती है। इन आसनों को स्त्री-पुरूष, बच्चे-बूढ़े स्वस्थ और रोगी सभी आसनी से कर सकते हैं। इनके नियमित अभ्यास से रोगी के मेरूदंड संबंधी विविध रोग ठीक हो जाते हैं। मनुष्य में रीढ़ के विविध घुमावदार आसनों को नित्य विधिपूर्वक करने से उनमें भी सुषुम्ना शक्तियां जागृत होने लगती है। ऊर्जा चक्र सक्रिय होने लगते हैं। स्नायु संस्थान ताकतवर होने से, स्नायु संबंधी रोगों की संभावनाएं बहुत कम हो जाती है। यदि हम भी घोड़े की तरह रीढ़ की हड्डी को सुबह-शाम लेटकर 'ठोडी दाएं तो घुटना बाएं' और 'घुटना दाएं तो ठोडी बाएं' घुमाना प्रारंभ कर दें, तो मेरूदंड में आई विकृतियां दूर हो जाती हैं। घुमावदार व्यायाम करने के लिए सर्वप्रथम दोनों हाथ कंधों के बराबर फैलाकर एक दम सीधा पीठ के बल जमीन पर लेट जाना चाहिए। इस व्यायाम की विविध स्थितियां होती हैं। जिसमें पैरों की ही स्थितियां अलग-अलग ढंग से बदली जाती है। गर्दन को घुमाने का एक ही तरीका और नियम होता है। जब पैरों को बाएं तरफ घुमाया जाता है, तो गर्दन को दाहिने तरफ मोड़कर, ठोढ़ी को कंधों से स्पर्श किया जाता है। जब पैरों को दाहिने तरफ घुमाया जाता है, तो गर्दन को उसी ढंग से बाई तरफ घुमाया जाता है।

प्रथम स्थिति में पैरों की दोनों एड़ियों के बीच पगथली के बराबर दूरी रखी जाती है तथा एग पगथली अंगुलियों को बारी-बारी से दूसरे पैर की एड़ी से स्पर्श किया जाता है तथा गर्दन को उसके विपरीत दिशा में घुमा जाता है।

दूसरी स्थिति में दोनों टखनों एवं पगथलियों को पास-पास में रखकर अंगुलियों को एक बार बाईं, फिर दाहिनी तरफ, बारी-बारी से जमीन को स्पर्श किया जाता है तथा साथ ही गर्दन को विपरीत दिशा में घुमाया जाता है।

एक पैर को सीधा रख दूसरे की पगथली को उनके घुटने के पास रखकर, दूसरे पैर के घुटने को दूसरे पैर की दिशा में जमीन से बारी-बारी स्पर्श कराया जाता है। दोनों घुटनों को छाती से स्पर्श करते हुए बाईं दाहिनी तरफ पैरों और गर्दन को घुमाया जाता है।

पवन मुक्तासन की स्थिति में दोनों हथेलियों से घुटनों को पकड़ सीने से चिपकाते हुए बाएं दाहिने पैरों की तरफ सारे शरीर को घुमाया जाता है और अंत में सीधा पवन मुक्तासन किया जाता है।

सावधानियां

प्रत्येक आसन के पश्चात कुछ समय शवासन करना चाहिए। प्रत्येक आसन को कम से कम 15 से 25 बार करना चाहिए। इन आसनों का अभ्यास सुबह मल त्याग के बाद खाली पेट करना चाहिए। जिन्हें कब्ज की शिकायत रहती है, उन्हें उषापान करने के पश्चात् इन आसनों को करना अधिक फायदेमंद होता है। मासिक धर्म के दिनों में एवं गर्भावस्था के तीन मास पश्चात् तथा किसी भी व्यक्ति के द्वारा शल्य चिकित्सा के तुरंत पश्चात् अथवा फ्रेक्चर होने की स्थिति में इन आसनों को नहीं करना चाहिए। प्रत्येक व्यायाम श्वास भरकर करने से अधिक फायदेमंद होता है। जिन्हें इसमें कठिनाई हो, वे साधारण स्थिति में भी इन आसनों को कर सकते हैं। आसन करते समय शरीर के साथ किसी प्रकार की जोर जबरदस्ती नहीं करनी चाहिए। सहजता एवं सरलता से शरीर जितना घुमाया जा सकता है, उतना ही घुमाना चाहिए।

जिन व्यक्तियों के मेरूदंड के मणकों में लोच की कमी होती है या बाएं-दाएं करने में कष्ट होता है, उन्हें धीरे-धीरे जितना बाएं-दाएं कर सकते हैं करना चाहिए, झटका न दें और न ही देर तक किसी एक कष्टदायक स्थिति में रूकें और न ही शरीर के उस भाग को जबरदस्ती जमीन तक ले जाने की कोशिश करें। घुमाते समय धीरे-धीरे दाएं-बाएं जाना चाहिए। किसी प्रकार का झटका नहीं देना चाहिए। घुमाते समय शरीर की जिन मांसपेशियों में दर्द हो, वे मांसपेशियां शरीर में रोगों से संबंधित होती हैं। उन मांसपेशियों का उपचार करने से रोग में तुरंत आराम मिलता है। जिन व्यक्तियों को अनिद्रा की शिकायत हो, उन्हें सोने से चार घंटे पूर्व भोजन कर लेना चाहिए। नींद पूर्व इन व्यायामों को करने से व्यायाम करते-करते ही नींद आने लग जाती है। नियमित इन आसनों के करने से बौने बच्चों की लंबाई बढ़ने लगती है। नाभि अपने स्थान पर आ जाती है। कब्ज, गैस, थकावट, आलस्य, अनिद्रा, मोटापा, मधुमेह आदि रोगों, नाड़ी, संस्थान, मेरूदंड एवं एड़ी से लगाकर गर्दन तक के रोगों में लाभ होता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परोस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य ...

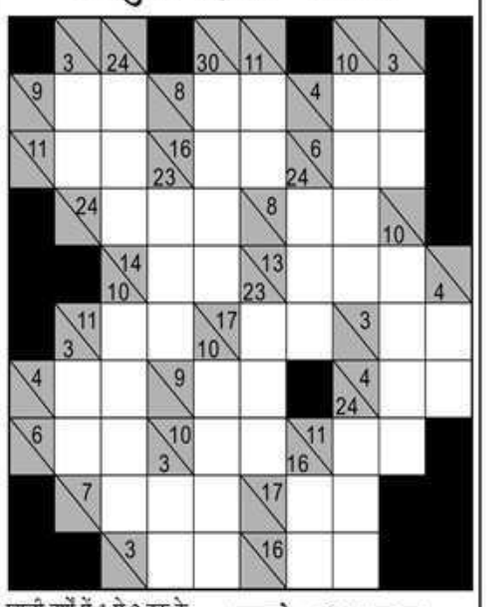

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक
राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

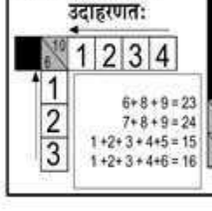

काकुरो पहेली - 3842

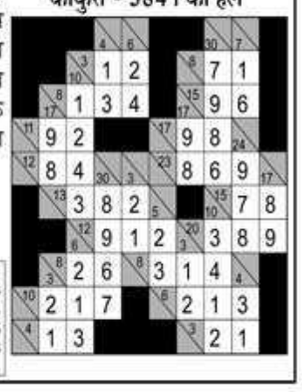

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3841 का हल

हंसी के फूव्वारें

तुम्हारे घर में किसका शासन चलता है ?

अपनी जगह सभी शासन करते हैं.

वह कैसे ?

मेरी पत्नी बच्चों पर शासन करती है, बच्चे नौकरों को डांटते रहते हैं और मैं कुत्ते-बिल्लयों को झिड़कता रहता हूं.

□ □ □

मोहन तुम आजकल स्कूल में कैसे चल रहे हो ?

मोहन बोला- वाह पापाजी, मैं कभी आपसे आपके ऑफिस के बारे में बात करता हूं ?

□ □ □

थका हुआ पति: आज शाम का घूमना तो रद्द करो.

पत्नी: आप तो सवेरे से ही कह रहे थे मैं तो तभी से मेकअप कर रही थी अब पूरा हुआ तो आप मना करने लगे.

□ □ □

दस साल के एक लड़के का दांत निकालने के बाद डॉक्टर ने उसके बाप से कहा-लाओ पांच रुपये.

पांच रुपये ? मगर आपने तो पहले कहा था कि आप दांत उखाड़ने का एक रुपया लेते हैं.

ठीक है, मगर आपके लड़के की चिल्लाहट सुनकर दांत उखड़वाने के लिए आये हुए मेरे चार रोगी भी तो चले गये.

फिल्म वर्ग पहेली- 3842

बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की 'मखमली ये बदन' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्टा की फिल्म-४
६. 'बंदा ये बिंदास हैं' गीतवाली फिल्म-२
७. 'मेहंदी' में रानी का नायक ?-३
८. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश की फिल्म-२
१२. 'विल यू मैरी मी' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'याइला रे लड़की' गीतवाली संजय दत्त, जैकी शिल्पा, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे रामा हरे कृष्णा' से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. 'हुई आँख नम' गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सनोबर कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म 'हमराज' की नायिका-२
२१. 'ये रात ये बरसात' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुझसे मिलने' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२४. 'दिल झूम झूम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'समंदर' में पूनम का नायक ?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. 'चल प्रेमनगर जायेगा' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'नाच मेरी बुलबुल' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री की 'ऐ देखो इधर' गीत वाली फिल्म-३
३. इंतहा हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. 'जोगी मत जा' गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सुनता जा' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की 'पायलें झूमें' गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'यूँ हसरतों के दाग' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'फूल माँगूँ ना बहार' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3841

सूडोकु -3842

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3841 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली -3842

बाएँ से दाएँ

1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

शब्द पहेली -3841 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी